



**संजय श्रीवास्तव**  
प्रधान सम्पादक

दैनिक

यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक ख़बर



सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण  
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ  
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ-लखनऊ

Digital Edition

# योगी सरकार की बड़ी सौगात: 68 हजार ग्राम प्रहरियों का मानदेय बढ़ा, 5 लाख कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा भी मिलेगी



(यंग भारत न्यूज़)  
बरेली: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरेली पुलिस लाइन में आयोजित ग्राम प्रहरियों के कार्यक्रम में उनको बड़ी सौगात देते हुए उनके मानदेय बढ़ाने की घोषणा की। इसके साथ ही सीएम योगी ने 68 हजार चौकीदारों के परिवार को 5 लाख कैशलेस सुविधा देने का भी ऐलान किया। वहीं कानून-व्यवस्था को लेकर सपा और विपक्षी दलों की सरकारों पर निशाना साधा। योगी ने सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि 2017 से पहले सत्ता में बैठे कुछ लोग डकैती डालते भी थे और डलवाते भी थे, उस समय



पुलिस मौन रह जाती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराधियों के मन में कानून का भय होना चाहिए। वहीं ग्राम प्रहरियों को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने उनकी भूमिका गांवों के सीसीटीवी कैमरों जैसी बताई। उन्होंने कहा कि चौकीदार गांव की गतिविधियों पर नजर रखें और सदिग्ध

गतिविधियों की सूचना समय रहते पुलिस सदन के नवनिर्मित भवन में किया जा रहा है। इसका आयोजन करने वाले अंतरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान के सीईओ के मुताबिक अनवरत रामलीला कार्यक्रम को और बेहतर बनाने की कोशिश की जा रही है। इसके लिए बेहतर और उच्च स्तरीय रामलीला मंडलियों के चयन की व्यवस्था बनी है। इसके साथ ही सजीव मंचन के महेनजर रामलीला के कलाकारों और मंडलियों के मानदेय में बढ़ोतरी हुई है। उनके पारिश्रमिक को बढ़ा कर दैनिक प्रति मंडली 17500 रुपये और 25 हजार रुपये कर दिया गया है। संस्थान के सीईओ आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि अब दो वर्ग की मंडलियों के लिए अलग-अलग पारिश्रमिक दरें तय की गई हैं, द्विवेदी ने बताया कि सामान्य मंडलियों

प्रहरियों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कई बदलाव हुए हैं। उन्होंने करीब छह करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने का दावा भी किया। सुरेश खन्ना ने कार्यक्रम के अच्छे आयोजन के लिए पुलिस विभाग को बधाई दी।

# अखिलेश यादव के सीएम काल में बंद हो गई थी अयोध्या की अनवरत रामलीला, 'आयोजकों ने बताई वजह

(यंग भारत न्यूज़)  
अयोध्या: राम की गरी अयोध्या मे परंपरागत रामलीलाओं की आयोजन करने वाली कमिटियो पर छाप आर्थिक संकट के चलते इनका आकर्षण कम हो गया। तब प्रदेश सरकार ने यहां उच्च स्तरीय रामलीला के मंचन के लिए अनवरत रामलीला की शुरुआत अब से 22 साल पहले शुरू किया था। तब से यहां नित्य रामलीला का मंचन किया जा रहा है। केवल बीच में अखिलेश यादव के शासन काल में यह नित्य रामलीला करीब डेढ़ साल तक फंड के अभाव दिखा कर बंद कर दी गई थी। अब इसके इसका नियमित मंचन किया जा रहा है। रामलीला के मंचन के स्तर को सुधारने के लिए संस्कृति विभाग ने इसके फंड को भी 40 लाख से बढ़ाकर 01 करोड़ कर दिया है।

अनवरत रामलीला का मंचन तुलसी स्मारक सदन के नवनिर्मित भवन में किया जा रहा है। इसका आयोजन करने वाले अंतरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान के सीईओ के मुताबिक अनवरत रामलीला कार्यक्रम को और बेहतर बनाने की कोशिश की जा रही है। इसके लिए बेहतर और उच्च स्तरीय रामलीला मंडलियों के चयन की व्यवस्था बनी है। इसके साथ ही सजीव मंचन के महेनजर रामलीला के कलाकारों और मंडलियों के मानदेय में बढ़ोतरी हुई है। उनके पारिश्रमिक को बढ़ा कर दैनिक प्रति मंडली 17500 रुपये और 25 हजार रुपये कर दिया गया है। संस्थान के सीईओ आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि अब दो वर्ग की मंडलियों के लिए अलग-अलग पारिश्रमिक दरें तय की गई हैं, द्विवेदी ने बताया कि सामान्य मंडलियों



के कलाकारों को प्रति कलाकार 700 रुपये के हिसाब से पारिश्रमिक मिल रहा है। वहीं, राष्ट्रीय स्तर की रामलीला मंडलियों को 1 हजार रुपये की दर से भुगतान किया जा रहा है। इस तरह से दैनिक प्रति मंडली तक रामलीला के मंचन पर 17500 रुपये और 25 हजार रुपये मिलेंगे।

पहले दैनिक प्रति मंडली को 8500 रुपये का ही पारिश्रमिक तय था, जो बहुत कम था। बेहतर सुविधाओं के साथ रामलीला का मंचन किया जा रहा है। इससे पहले अखिलेश सरकार के कार्यकाल में फंड की कमी के कारण रामलीला का मंचन 24 नवंबर 2015 से 2 मई 2017 तक बंद कर दिया गया था। इसके साथ व्यास कथा का कार्यक्रम भी बंद कर दिया गया था। कथा वाचकों के पारिश्रमिक को लेकर आंदोलन के कारण भी तत्कालीन अखिलेश सरकार ने फंड रिलीज नहीं किया, जिससे

रामलीला व व्यास कथा दोनों कार्यक्रम बंद हो गए थे। फिर जब अखिलेश सरकार पर धार्मिक कार्यक्रमों को बंद करने का आरोप लगा तो 22 दिनों तक दोनों कार्यक्रमों को चला कर फिर बंद कर दिया गया। अनवरत रामलीला का मंचन करने वाली रामलीला मंडलियों का चयन करने के लिए डीएम की अध्यक्षता में चयन समिति गठित है। यह साल भर के लिए 26 मंडलियों का चयन करती है। एक मंडली को 15 दिनों तक लगातार मंचन करने का समय मिलता है। इस तरह 24 मंडलियां साल भर मंचन करती हैं। वहीं, दो अतिरिक्त मंडली को भी व्यवस्था रहती है, जिससे रामलीला का मंचन बाधित न हो पाए। कोरोना काल के दौरान ही 7 साल पहले दिल्ली के रामलीला के आयोजक सुभाष मलिक बाबी ने अयोध्या मे

समितियां कर रही हैं। पर आर्थिक संकट के चलते इसमें स्थानीय स्तर के शौकिया कलाकार ही भूमिका निभा रहे। मंच व्यवस्था में भी खानापूरी के अलावा कोई बेहतरी नहीं दिखती। अपने फूहड़ प्रदर्शन के चलते ये रामलीलाएं कुछ सीमित स्थान पर दर्शकों की भीड़ जुटा पा रही हैं। जिसमें अयोध्या धाम और अयोध्या कैंट की तीन स्थानों की रामलीलाएं ही शामिल हैं। अयोध्या मे दीपोत्सव के आयोजन संस्कृति पर्यटन विभाग विविध आयोजन कर रहा है जिसमे आधा दर्जन से अधिक देशों की रामलीलाओं का मंचन आकर्षण का केंद्र बनता है। विदेशी रामलीलाओं का मंचन हर साल दीपोत्सव मे किया जाता है इस साल दीपोत्सव 7 नवंबर को होने जा रहा है।

# यादवों की गुलामी छोड़ो, असदुद्दीन ओवैसी का अखिलेश यादव पर सीधा हमला

## यूपी के मुस्लिम से कर दिया बड़ा आह्वान

(यंग भारत न्यूज़)  
प्रदेश की सियासत में 2027 का चुनाव अभी कुछ समय दूर है, लेकिन शह-मात का खेल अभी से गरमाने लगा है। समाजवादी पार्टी के दरवाजे पर गठबंधन की उम्मीद लेकर पहुंचे असदुद्दीन ओवैसी को जब अखिलेश यादव ने भाव नहीं दिया, तो एआईएमआईएम प्रमुख ने आजमगढ़ की धरती से ऐसा सियासी तीर छोड़ा, जिसका निशाना सीधे लाल टोपी और मुलायम-अखिलेश की मुस्लिम राजनीति पर जा लगा। ओवैसी ने मुसलमानों से यादव परिवार की 'गुलामी' छोड़कर अपनी सियासी रहनुमाई खुद करने का आह्वान कर दिया। यानी गठबंधन की मेज पर जगह नहीं मिली, तो अब सियासी मैदान में हिस्सेदारी का हिसाब मांगा जाएगा! देखा जाये तो ओवैसी का हमला महज जुबानी जंग नहीं, बल्कि उस मुस्लिम वोट बैंक पर दावेदारी की खुली घोषणा है, जिसे समाजवादी पार्टी लंबे समय से अपनी सियासी ताकत का अहम हिस्सा

मानती रही है। ओवैसी का आरोप है कि मुलायम सिंह यादव से लेकर अखिलेश यादव तक, मुस्लिम समाज ने पीढ़ियों तक सपा का साथ दिया, लेकिन बदले में उसे अपने दम पर नेतृत्व खड़ा करने का पर्याप्त मौका नहीं मिला। ओवैसी का सवाल साफ है कि अगर वोट मुसलमानों का, मेहनत मुसलमानों की और सत्ता की सीढ़ी मुसलमानों के समर्थन से तैयार होती है, तो फिर नेतृत्व के दरवाजे पर ताला क्यों यही वह सवाल है, जो अखिलेश यादव के लिए सियासी सिरदर्द बन सकता है। क्योंकि यूपी की राजनीति में वोट का गणित सिर्फ जातियों की गिनती से नहीं, बल्कि उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी से भी तय होता है। ओवैसी इसी हिस्सेदारी के मुद्दे को हथियार बनाकर सपा के उस मजबूत सामाजिक समीकरण में संघ लगावे की तैयारी में हैं, जिसके सहारे अखिलेश 2027 में बीजेपी को चुनौती देने का सपना देख रहे हैं। साथ ही आजमगढ़ को लेकर ओवैसी ने अखिलेश को घेरने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। शिब्ली नेशनल कॉलेज को



विश्वविद्यालय का दर्जा न मिलने, शिब्ली अकादमी को कथित तौर पर महज पांच लाख रुपये देने, खराब सड़कों, बंद पड़े

हवाई अड्डे और महंगी शिक्षा का सवाल उठाकर उन्होंने सपा के विकास के दावों पर चोट की। साथ ही उन्होंने यह भी तंज

कसा कि जब आजमगढ़ में सपा के दो सांसद, दस विधायक और जिला पंचायत अध्यक्ष तक पार्टी के हैं, तो जमीन पर

विकास की तस्वीर इतनी बदहाल क्यों है देखा जाये तो सवाल स्थानीय है, लेकिन निशाना सीधे अखिलेश की सियासी साख पर है। उधर, योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव के अयोध्या से चुनाव लड़ने की चुनौती पर ओवैसी ने दोनों को क्रमशः संभल और गोरखपुर से उतरने की नसीहत देकर राजनीतिक अखाड़े में नया दांव चल दिया। साथ ही मोदी और योगी सरकार पर मुठभेड़ों, बुलडोजर कार्रवाई और मुसलमानों के घरों-दुकानों पर कार्रवाई को लेकर हमला बोलते हुए

यही है कि क्या ओवैसी मुस्लिम समाज के भीतर स्वतंत्र राजनीतिक नेतृत्व खड़ा कर पाएंगे, या उनका वोट काटने वाला चेहरा होने का आरोप ही उनके रास्ते की सबसे बड़ी बाधा बनेगा इसमें कोई दो राय नहीं कि सपा के साथ गठबंधन की कोशिश नाकाम होने के बाद ओवैसी के सामने अपनी ताकत साबित करने की चुनौती है। वहीं अखिलेश के सामने यह भरोसा कायम रखने की परीक्षा है कि उनका सामाजिक गठबंधन सिर्फ चुनाव जीतने का समीकरण नहीं, बल्कि सत्ता में भागीदारी का भी रास्ता है। देखा जाये तो यूपी में 2027 की जंग अभी शुरू नहीं हुई है, मगर मुस्लिम वोटों की चौसर बिछ चुकी है। ओवैसी ने चाल चल दी है, अखिलेश को जवाब देना है और बीजेपी इस खींचतान का सियासी फायदा उठाने की ताक में रहेगी। आखिरकार, चुनाव में न नारा अकेले जीतता है, न आरोप, जीतता वही है, जिसके साथ जनता का भरोसा, संगठन की ताकत और वोटों का ठोस गणित होता है।



## हरियाणा 657 करोड़ का बैंक घोटाला: डिलीट वॉट्सऐप चैट से बड़ा खुलासा, कमीशन पर भिड़े आरोपी, हिस्सा नहीं मिलने पर सबको डुबो देने की धमकी

( यंग भारत न्यूज )  
हरियाणा के बहुचर्चित 657 करोड़ रुपये के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और स्मॉल फाइनेंस बैंक घोटाले में बड़ा मोड़ सामने आया है। आरोपियों के जब्त मोबाइलों और लैपटॉप से फॉरेंसिक जांच के जरिए डिलीट किए गए वॉट्सऐप मैसेज, चैट्स और ऑडियो क्लिप्स रिकवर किए जाने का दावा किया गया है। रिकवर हुए इस डेटा से खुलासा हुआ है कि सरकारी विभागों की फिक्स्टड डिपॉजिट (एफडी) को समय से पहले तुड़वाकर हड़पी गई भारी-भरकम राशि के बंटवारे और कमीशन को लेकर मुख्य आरोपियों के बीच जबर्दस्त तकरार चल रही थी।

सामने आई चैट्स के मुताबिक घोटाले के मास्टरमाइंड और बैंक मैनेजर रिभव ऋषि, अभय सिंगला, निजी एजेंट विक्रम वाधवा व अन्य बिचौलियों के बीच अवैध रकम के हिस्से को लेकर विवाद होता था। बिचौलियों का कहना था कि सरकारी तंत्र में कैश पहुंचाने और जमीनी स्तर पर जोखिम उठाने का काम उनका है, इसलिए उन्हें बराबर का कमीशन मिलना चाहिए।



एक रिकवर चैट में एक आरोपी ने तीखा रुख अपनाते हुए लिखा कि तू ज्यादा चालाकी मत कर, मुझे पता है तू पीछे से अलग डील कर रहा है। अगर मेरा हिस्सा समय पर नहीं मिला, तो सबको डुबो दूंगा। वहीं एक अन्य मैसेज में बिचौलिए ने

लिखा- रिस्क हम ले रहे हैं, कट पूरा चाहिए। जांच रिपोर्ट के अनुसार आरोपियों के बीच सिर्फ कमीशन ही नहीं, बल्कि जीरकपुर के ‘जेड मनोर विला’ तथा चंडीगढ़ व दिल्ली के आलीशान होटलों में आयोजित होने वाली रंगीन और

लगजरी पार्टियों के खर्चों को लेकर भी रोजाना झगड़े होते थे। लाखों रुपये के होटल व कैटरिंग बिलों के भुगतान को लेकर बिचौलिये मास्टरमाइंड को मैसेज भेजते थे। एक चैट में साफ लिखा मिला- कल वाली पार्टी का कैश तू दे रहा है या मुझे अपनी जेब से लगाना पड़ेगा रोज-रोज का नाटक मत कर। जांच में यह भी सामने आया है कि स्वाति सिंगला और अन्य डमी डायरेक्टर्स के नाम पर बनाई गई कथित फर्जी कंपनियों (जैसे कैपको फिनटेक और स्वास्तिक देश प्रोजेक्ट्स) के खातों में 300 करोड़ रुपये से अधिक का सदिग्ध लेन-देन हुआ था। इतनी बड़ी रकम के ट्रांसफर की जानकारी मिलने के बाद आरोपियों का एक-दूसरे पर से भरोसा उठ गया था और वे आपस में ही एक-दूसरे पर शक करने लगे थे।

## 49 की मां, 25 का सौतेला बाप: न्यूजीलैंड से 11 हजार कि0मी दूर कत्ल करने लौटा बेटा, दिनदहाड़े गोलियों से भूना

( यंग भारत न्यूज )  
माँ की दूसरी शादी से गुस्साए 22 साल के बेटे ने सौतेले पिता को मौत के घाट उतार दिया. वो न्यूजीलैंड से हजारों किलोमीटर का सफर तय करके भारत आया और वारदात को अंजाम दिया. यह सनसनीखेज वारदात उत्तर प्रदेश के रामपुर से सामने आई है.आरोपी और उसकी मदद करने वाले उसके ममेरे भाई को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है.वारदात र रामपुर जिले के मिलक खानम थाना क्षेत्र की है. पुलिस के मुताबिक, कुम्हारिया कलां चौहाटे पर कार सर्विस सेंटर चलाने वाले 25 साल के नवजोत सिंह की शनिवार शाम गोली मारकर हत्या की गई है. उसने इसी साल जनवरी में पड़ोस में रहने वाली 49 साल की महिला कमल कौर से शादी की थी, जिसके पति की 3 साल पहले मौत हो चुकी है. पति की मौत के उसके दोनों बेटे अवदीप सिंह और जौबनप्रीत सिंह रोजी-रोटी के सिलसिले में न्यूजीलैंड चले गए थे. जैसे ही दोनों भाइयों को पता चला कि उनकी 49 साल की मां ने अपनी आधी उम्र के युवक नवजोत से शादी कर ली है तो वो भड़क गए. ये भी बताया गया है कि इस शादी को लेकर इलाके में पंचायत भी बैठी



और दोनों बेटों ने पहले भी नवजोत को गंभीर परिणाम भुगतने धमकी दी थी और अब उसका मर्डर कर दिया गया. अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह ने बताया कि मुख्य आरोपी अवदीप सिंह 22 सितंबर

को न्यूजीलैंड से भारत आया था. वो सीधे घर नहीं गया बल्कि होटलों और अपने ममेरे भाई राजनदीप सिंह (23) के यहां छिपकर रहा. पिछले एक हफ्ते में उसने मर्डर की साजिश रची. उसका ममेरा भाई राजनदीप

पेशे से टैक्सी ड्राइवर है, जिसकी मदद से अवदीप ने नवजोत को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया. इसके लिए 2 अवैध तमंचे और कारतूस जुटाए और वारदात को अंजाम दिया.

## दूल्हा नहीं ही सास-ससुर भी सन्न, शादी के 24 घंटे के अंदर दुल्हन के कारनामे सबके उड़ाए होश

( यंग भारत न्यूज )  
प्रदेश के अमरोहा जिले में एक नई नवेली दुल्हन के कारनामे ने दूल्हा, सास और ससुर ही नहीं सबके होश उड़ा दिए। क्षेत्र में शातिर ‘लुटेरी दुल्हन’ गिरोह ने एक बेहद सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया है।

शादी के महज 24 घंटे के भीतर नई-नवेली दुल्हन दूल्हे और उसके पूरे परिवार को चकमा देकर 2 लाख की नकदी और लाखों के सोने-चांदी के कीमती आभूषण समेटकर रफूचककर हो गई। पीड़ित दूल्हा और उसका परिवार जब तक इस शातिर उगी को समझ पाता, तब तक दुल्हन का कोई अता-पता नहीं था। पूरे इलाके में यह वारदात चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस ने कहा कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के एक नजदीकी गांव निवासी युवक को शादी कराने का झांसा गांव के ही दो बिचौलियों ने दिया था। बिचौलियों के माध्यम से संपर्क साधकर युवक शनिवार सुबह बिहार राज्य के रामगढ़ पहुंचकर ‘पूजा’ नाम की युवती से पूरे रीति-रिवाज के साथ विवाह रचाकर उसे अपने गांव ले आया। परिजनों में नई-नवेली बहू के आगमन की खुशियां मनाई ही जा रही थीं कि रविवार को शातिर दुल्हन ने अपनी चाल चल दी। उसने पूरी प्री-प्लानिंग के तहत परिजनों से शांपिंग करने की फरमाइश रखी और ज़िद करके सारे सोने-चांदी के आभूषण पहन लिए। पति ने उसकी बातों में आकर दो लाख रुपये निकाल कर दिए, जिन्हें दुल्हन ने अपने ही पर्स में रख लिया। पति उसको खरीदारी कराने गजौला के बाजार ले गया। वहां व्यस्त बाजार में भीड़भाड़ का फायदा उठाकर दुल्हन ने पति को एक दुकान पर सामान देखने में उलझाया और चंद सेकेंडों में भीड़ में गायब हो गई। दूल्हे ने काफी देर तक गजौला के हर मोड़ और दुकान पर उसकी तलाश की, लेकिन शातिर दुल्हन का कोई अता-पता नहीं चला। परिजनों ने सोमवार तड़के गांव में एक पंचायत बुलाई। पंचायत में शादी कराने वाले दोनों स्थानीय बिचौलियों को सख्त कटघरे में खड़ा किया गया। ग्रामीणों और परिजनों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि बिचौलिए दुल्हन को वापस नहीं लाते हैं, तो उन्हें पीड़ित परिवार के पूरे नुकसान की भरपाई करनी होगी। इस घटना ने एक बार फिर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सक्रिय अंतरराज्यीय मैरिज सिंडिकेट की गहरी जड़ों को उजागर कर दिया है। इस बावत प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सत्येंद्र सरोहा ने तहरीर मिलने पर जांच व कार्रवाई करने की बात कही।



## उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक मोहम्मदाबाद में वित्तीय साक्षरता कैंप लगाया गया

( यंग भारत न्यूज )  
डकोर ( उरई ) विकास खंड डकोर स्थित ग्राम मोहम्मदाबाद में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा मोहम्मदाबाद में वित्तीय साक्षरता कैंप लगाकर महिलाओं व पुरुषों को पैसों की सही तरीके से इस्तेमाल करना सिखाया गया इसका मतलब होता है कि गांव और शहर के लोग बैंक व सरकार की योजनाओं और डिजिटल पैसों से जुड़ सके और उगी से बच सकें गौर वलब है कि विकासखंड डकोर स्थित ग्राम अहमदाबाद में उत्तर प्रदेश ग्रामीण शाखा मोहम्मदाबाद के प्रांगण में वित्तीय साक्षरता कैंप लगाकर

महिलाएं व पुरुषों को और ग्राम में चल रहे समूह को इकट्ठा कर सभी को बैंक व सरकार की योजनाओं के बारे में बताया गया इस कैंप की अध्यक्षता कर रहे शाखा प्रबंधक मंजेश कुमार तिवारी ने बताया की किसान व ग्रामीण अपना बचत पैसा जमा सिजसे आपका भुगतान हो जाए और आपके पैसों का नुकसान हो जाए वहां पर मौजूद उप शाखा प्रबंधक विनय कुमार शर्मा सहायक अधिकारी नूर मोहम्मद वह ग्राम के समूह की बैंक सखी पुष्पा देवी देते हैं जिससे वह लोग किसानों का पैसा निकाल लेते हैं ऐसा अगर किसी किसान के

साथ होता है तो तुरंत शाखा प्रबंधक को फोन पर अवगत करायें जिससे उसका पैसा बचाया जा सके यह डिजिटल भुगतान होता है यूपीआई फोनपे गूगल पे पेटीएम का सुरक्षित इस्तेमाल करें और कोड से भुगतान या पिन नंबर किसी को ना बताएं जिससे आपका भुगतान हो जाए और आपके पैसों का नुकसान हो जाए वहां पर मौजूद उप शाखा प्रबंधक विनय कुमार शर्मा सहायक अधिकारी नूर मोहम्मद वह ग्राम के समूह की बैंक सखी पुष्पा देवी देते हैं जिससे वह लोग किसानों का पैसा निकाल लेते हैं ऐसा अगर किसी किसान के

## मंडी का निरीक्षण करने पहुंचे एसडीएम ने अभिलेखों की जाँच के वाद व्यवस्थाये परखी

जालौन-उरई। नवीन गल्ला मंडी में सफाई व्यवस्था ठीक न मिलने पर एसडीएम राकेश कुमार सोनी ने ठेकेदार को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने धान का सीजन शुरू होने के चलते किसानों को कोई परेशानी न होने देने के निर्देश दिए। उन्होंने मंडी परिसर में वर्षों से खड़े ट्रक और डंपरों को हटवाने के लिए संबंधित विभागों से संपर्क करने को भी कहा। मंगलवार को मंडी का निरीक्षण करते पहुंचे एसडीएम राकेश कुमार सोनी ने सबसे पहले मंडी के अभिलेखों की जांच की और रिकॉर्ड दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंडी सचिव अंकित गुप्ता ने बताया मंडी कार्यालय का भवन पुराना हो चुका है और नए भवन की आवश्यकता है। इसके अलावा व्यापारियों के लिए एम डी दुकानों की जरूरत है। इस पर एसडीएम ने नई दुकानों के निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। मंडी परिसर में परिवहन विभाग और खनन विभाग की ओर से पकड़े गए ओवरलोड ट्रक और डंपर खड़े किए जाते हैं। जिन्हें हटवाने के लिए भी कहा। बताया कि जालौन मंडी सी श्रेणी से बी श्रेणी में आ गई है जिसके चलते और दुकानों की आवश्यकता है। जिस पर उन्होंने डिमांड भेजने के लिए कहा। मंडी परिसर में सफाई व्यवस्था दुरुस्त न मिलने पर उन्होंने ठेकेदार को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने धान के सीजन को देखते हुए कहा कि मंडी आने वाले किसानों को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए मंडी में सफाई और अन्य व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाएं। कहा कि किसानों को यदि किसी तरह की परेशानी होती है अथवा कोई शिकायत मिलती है तो कार्रवाई की जाएगी।

## प्रयागराज का सनसनीखेज मामला: भाई-बहन का 6 साल से चल रहा था अफेयर, शादी समारोह में पहुंचे तो बोले- ‘हम शादी करेंगे’; परिवार ने मंदिर में कराई शादी

( यंग भारत न्यूज )  
प्रदेश के प्रयागराज जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने समाज की सारी मर्यादाओं को हिलाकर रख दिया। यहां एक युवती ने अपने ही ममेरे भाई से शादी रचा ली। दोनों के बीच करीब 6 साल से अफेयर चल रहा था। जब परिवार वालों ने विरोध किया, तो दोनों अपनी जिद पर अड़ गए। आखिरकार, परिवार को झुकना पड़ा और दोनों की शादी मंदिर में करा दी गई। प्रयागराज के झूंसी इलाके की रहने वाली नेहा (24) अपने परिवार के साथ मिर्जापुर के विंध्याचल थाना क्षेत्र के एक गांव में अपने मामा की बेटी की शादी में आई थी। शादी की रस्में पूरी हो गईं और सभी रिश्तेदार वापस लौटने लगे। नेहा के परिवार वाले भी उसे लेकर जाने लगे, लेकिन तभी नेहा ने साफ मना कर दिया- ‘मैं यहां से नहीं जाऊंगी। मुझे अपने मामा के बेटे रोहित (26) से शादी करनी है।’ यह सुनकर सभी सन्न रह गए। इतना ही नहीं, रोहित भी सामने आया और बोला- ‘मैं नेहा से प्यार करता हूं। हम 2017 से एक-दूसरे के साथ हैं। हम शादी करेंगे।’ रोहित नेहा का ममेरा भाई था। नेहा रोहित की लड़की थी। यानी दोनों में खून का रिश्ता था। समाज में ऐसे रिश्ते में शादी कभी मान्य नहीं होती। परिवार और रिश्तेदारों ने दोनों को बहुत समझाया- ‘यह रिश्ता नहीं है। तुम भाई-बहन हो।’ लेकिन दोनों अपनी बात पर अड़े रहे। नेहा ने कहा- ‘हम 6 साल से एक-दूसरे से प्यार करते हैं। हमने एक-दूसरे के बिना जीना छोड़ दिया है।’ रोहित ने कहा- ‘मैं नेहा



के बिना नहीं रह सकता। हमें शादी करनी है, चाहे समाज कुछ भी करे।’ दोनों की जिद के आगे किसी की न चली। परिवार वालों ने सोचा कि अगर इन्हें रोका गया, तो ये कोई बड़ा कदम उठा लेंगे। आखिरकार, दोनों परिवारों ने मिलकर फैसला किया कि इनकी शादी करा दी जाए। 15 मार्च 2023 को गांव के मंदिर में दोनों की शादी करा दी गई। शादी में गांव के काफी लोग शामिल हुए। किसी ने आशीर्वाद दिया, तो किसी ने मुंह फेर लिया। लेकिन दोनों अपनी शादी से बेहद खुश नजर आए। शादी के बाद दोनों ने एक-दूसरे को माला पहनाई और एक नई जिंदगी की शुरुआत की। गांव और रिश्तेदारों में इस शादी को लेकर अलग-अलग राय है। कुछ लोग इसे ‘प्यार की गलत संदेश’ बता रहे हैं। गांव के एक बुजुर्ग ने कहा- ‘हमने बहुत समझाया, लेकिन दोनों नहीं माने। अब जो हो गया, सो हो गया।’ कानूनी जानकारों के

मुताबिक, ममेरे-फुफेरे या चचेरे भाई-बहन के बीच शादी हिंदू विवाह अधिनियम के तहत मान्य नहीं होती, क्योंकि यह निषिद्ध संबंध की श्रेणी में आता है। ऐसे रिश्ते में शादी करना अपराध नहीं है, लेकिन इसे कानूनी मान्यता भी नहीं मिलती। अगर कोई कोर्ट में इस शादी को चुनौती देता है, तो इसे अमान्य घोषित किया जा सकता है। नेहा और रोहित अब मिर्जापुर के एक गांव में पति-पत्नी के रूप में रह रहे हैं। दोनों ने अपने परिवारों से अलग रहना शुरू कर दिया है, क्योंकि कई रिश्तेदारों ने उनसे नाता तोड़ लिया है। दोनों खेती और मजदूरी करके अपना गुजारा कर रहे हैं। गांव में अब भी इस जोड़े को लेकर चर्चा होती है। कुछ लोग कहते हैं- ‘प्यार में सब जायज है।’ तो कुछ कहते हैं- ‘यह रिश्तों का कलंक है।’ लेकिन नेहा और रोहित को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। वे अपनी नई जिंदगी में खुश हैं।

## जंतर-मंतर की जगह मिला रामलीला मैदान, लेकिन प्रोटेस्ट की राह मुश्किल; क्या वजह

( यंग भारत न्यूज )  
दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन के लिए तय तीन नई जगहों में से एक रामलीला मैदान अगले ढाई महीने तक खाली नहीं है। इसके बुकिंग आंकड़े हैरान करने वाले हैं। आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का रामलीला मैदान दिसंबर अंत की 3 तारीखों पर ही उपलब्ध है। जंतर-मंतर की जगह इसको नए प्रदर्शन स्थल के रूप में चुना गया है लेकिन इस मैदान पर भारी बुकिंग फीस और एनओसी जैसी शर्तें लागू होती हैं, जिससे विवाद बढ़ता नजर आ रहा है।



अधिकारियों ने बताया कि लंबे प्रदर्शनों के लिहाज से रामलीला मैदान अगले ढाई महीनों तक बुकिंग के लिए ज्यादा दिन खाली नहीं है। 12 एकड़ के इस मैदान में 50 हजार लोगों के बैठने की जगह है लेकिन इस साल महज 3 तारीखों के लिए ही बुक किया जा सकता है। इसके बुकिंग के लिए सिर्फ 29, 30 और 31 दिसंबर की तारीखें ही उपलब्ध हैं। मैदान की बुकिंग का रेट 50 हजार रुपये प्रति दिन है। इसकी बुकिंग के लिए 55 हजार रुपये की सिक्योरिटी डिपॉजिट भी देने होता है। हालांकि यह रकम बाद में वापस मिल जाती है। अधिकारियों ने बताया कि टेक्स मिलाकर इस मैदान के लिए एक दिन की बुकिंग का शुरुआती खर्च 1.21 लाख रुपये आता है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मैदान का एक छोटा सा हिस्सा प्रदर्शन और सभाओं के लिए निशुल्क उपलब्ध है लेकिन इस जगह पर भी केवल 150 लोग ही जमा हो सकते हैं। इस मैदान को एमसीडी के बागवानी विभाग के जरिए बुक किया जाता है। आवेदन पर मंजूरी से पहले दिल्ली पुलिस से एनओसी भी लेना जरूरी होता है। ऐसे में प्रदर्शनकारियों का कहना है कि प्रदर्शन करने के लिए रामलीला मैदान में बहुत अधिक प्रवेश शुल्क देना पड़ता है। जंतर-मंतर पर ऐसा कोई शुल्क नहीं देना पड़ता था। वहीं एक अधिकारी ने कहा कि यदि बिना किसी शुल्क के वहां प्रदर्शन करने दिया जाता है तो एमसीडी को हर दिन कम से कम 50 हजार रुपये या उससे अधिक का नुकसान होगा। दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार के 11 अक्टूबर के स्थायी आदेश के तहत जंतर-मंतर पर अब प्रदर्शन नहीं किया जा सकेगा। वहीं, रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली स्थित सीबीडी (सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट) मैदान विरोध-प्रदर्शन के लिए नये स्थान होंगे। इतना ही नहीं कुछ हफ्तों में दशहरा और दिवाली जैसे बड़े त्योहार हैं, इसलिए रामलीला मैदान को पहले ही बुक किया जा चुका है। अधिकारी बताते हैं कि 1930 तक यह मैदान एक तालाब हुआ करता था। इस तालाब को भरकर समतल कर दिया गया ताकि वहां रामलीला का मंचन किया जा सके। यह परंपरा 1932 में शुरू हुई और आज भी जारी है। इस वजह से मैदान का नाम रामलीला मैदान पड़ा। यह मैदान एक व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्र में स्थित है, जिसके आस-पास तीन अस्पताल और नगर निकायों के मुख्यालय हैं। ब्रिटिश शासन काल में यह अजमेरी गेट से आगे तक फैला हुआ था। आजादी के बाद 1951 में पाकिस्तान से आए शरणार्थियों को आजीविका उपलब्ध कराने के लिए इस इलाके का विकास किया गया। बाद में यह देश की राजनीति का मंच भी बन गया। 1952 में जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर के भारत में एकीकरण की मांग को लेकर सत्याग्रह किया था। पीएम के तौर पर जवाहरलाल नेहरू ने 1956 और 1957 में रामलीला मैदान में विशाल जनसभाओं को संबोधित किया था। वहीं, 1962 में भारत की यात्रा पर आई महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के सम्मान में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम के लिए वहां एक स्थायी मंच बनाया गया था। साल 1971 के युद्ध में मिली जीत के बाद इंदिरा गांधी ने यहां एक रैली को संबोधित किया था। 25 जून 1975 को इमरजेंसी की घोषणा के दिन जयप्रकाश नारायण और अटल बिहारी वाजपेयी ने इसी मैदान में रैली को संबोधित किया था। अरविंद केजरीवाल ने 2013 में इसी जगह मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

मिशन शक्ति 6.0 छात्राओं को बताएं महिला सुरक्षा के हेलपलाइन नंबर

( यंग भारत न्यूज )  
डकोर ( उरई ) मिशन शक्ति 6.0 अभियान के तहत थाना डकोर की एंटी रोमियो टीम ने डकोर थाना अंतर्गत ग्राम कुवेंदा में बने शताब्दी फार्मसी महाविद्यालय की कार्यरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्रों को महिला सरकारी योजनाओं और आपातकालीन हेलपलाइन नंबरों की जानकारी दी कार्यक्रम में सब इंस्पेक्टर पुष्पेंद्र सिंह ने छात्राओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए बताया कि किसी भी परेशानियां आपात स्थिति में संबंधित हेलपलाइन नंबर पर संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है उन्होंने छात्राओं को बिना किसी झिझक के अपनी समस्या पुलिस तक पहुंचाने और उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया



# माधौगढ़ में दिव्यांग बच्चों की समावेशी शिक्षा को लेकर पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

83 सहायक अध्यापकों ने लिया प्रशिक्षण, दिव्यांग बच्चों की स्क्रीनिंग, नामांकन और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने पर दिया गया जोर

( यंग भारत न्यूज )  
**माधौगढ़, जालौन।** बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री विकास चौधरी के निर्देशन एवं जिला समन्वयक समेकित शिक्षा श्री शिवदीन चौधरी के मार्गदर्शन में सोमवार, 12 अक्टूबर 2026 को ब्लॉक माधौगढ़ में दिव्यांग बच्चों की समावेशी शिक्षा को लेकर सहायक अध्यापकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में ब्लॉक के 83 अध्यापकों ने प्रतिभाग कर दिव्यांग बच्चों की शिक्षा, उनके अनुकूल शिक्षण पद्धतियों तथा विभागीय योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।  
प्रशिक्षण के समापन अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी माधौगढ़ श्री रंगनाथ चौधरी ने कहा कि प्रशस्त ऐप के माध्यम से दिव्यांग बच्चों को स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि कोई भी पात्र बच्चा जांच प्रक्रिया से छूटने न पाए। स्क्रीनिंग के बाद ऐसे बच्चों का विद्यालयों में नामांकन कराया जाए और उन्हें शासन की समस्त योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दिलाने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएं। उन्होंने



शिक्षकों से दिव्यांग बच्चों के प्रति संवेदनशीलता बरतने और उनकी आवश्यकताओं के अनुसार शिक्षण व्यवस्था विकसित करने का आह्वान किया। प्रशिक्षण के दौरान जिला समन्वयक समेकित शिक्षा श्री शिवदीन चौधरी ने दृष्टिबाधित बच्चों के लिए

विद्यालय के वातावरण को अनुकूल बनाने तथा गतिविधि आधारित शिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विजुअल इंपैयरमेंट एवं ब्लाईंड बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं को समझाते हुए उनके शिक्षण में उपयोगी तरीकों पर प्रकाश डाला। सहायक अध्यापक

प्राथमिक विद्यालय सरं श्री आशीष सोनी ने दिव्यांग बच्चों के परिवारों के साथ बेहतर सामंजस्य स्थापित करने तथा उनके सहयोग से बच्चों की शैक्षिक प्रगति सुनिश्चित करने के विषय में जानकारी दी। उन्होंने खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिव्यांग बच्चों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि इससे बच्चों का आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ता है। प्राथमिक विद्यालय आमखेड़ा के सहायक अध्यापक श्री श्याम जी ने दिव्यांगता के प्रति जागरूकता बढ़ाने, शिक्षण-अधिगम सामग्री के प्रभावी उपयोग तथा शिक्षण प्रक्रिया को सरल, रोचक और गतिविधि आधारित बनाने के तरीकों पर जानकारी दी। उन्होंने विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया। श्रवण बाधित बच्चों

के प्रशिक्षण सत्र में विशेष शिक्षक श्री ईश्वर चंद्र पाल ने सांकेतिक भाषा ( साइन लैंग्वेज ) तथा विद्यालय के वातावरण को श्रवण बाधित बच्चों के अनुकूल बनाने के संबंध में जानकारी दी। वहीं, विशेष शिक्षक श्री ब्रह्मानंद राजपूत एवं श्रीमती वर्षा विश्नोई ने बौद्धिक दिव्यांगता वाले बच्चों की आवश्यकताओं, उनके शिक्षण और उनके लिए संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। पांच दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को दिव्यांग बच्चों की पहचान, उनकी जरूरतों के अनुरूप शिक्षण पद्धति अपनाने, सहायक शिक्षण सामग्री का प्रयोग करने तथा विद्यालय में समावेशी वातावरण तैयार करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागी शिक्षकों से फीडबैक भी प्राप्त किया गया। इस अवसर पर श्वेता सेंगर, सपना गुप्ता, प्रेमलता कुशवाहा, सूर्या तिवारी, शालिनी, दीपांशी, यज्ञ कुमार पांडेय, महेंद्र यादव, राहुल निरंजन सहित ब्लॉक माधौगढ़ के कुल 83 अध्यापक उपस्थित रहे और प्रशिक्षण प्राप्त किया।

## अग्रसेन जयंती समारोह में प्रतिभाओं का सम्मान, संस्कारों पर जोर

श्रीराम पैलेस में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां, विजेताओं और प्रतिभागियों को किया प्रोत्साहित



**उरई ( जालौन )।** श्री महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में देर रात सोमवार को श्रीराम पैलेस में श्री महाराजा अग्रसेन नवयुवक मंडल के तत्वावधान में सांस्कृतिक एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। इसमें बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से लोगों का मन मोह लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।  
कार्यक्रम में उरई के सिटी मजिस्ट्रेट सुनील कुमार और नगर पालिका परिषद जालौन की अध्यक्ष नेहा पुनीत मित्तल मौजूद रहीं। समारोह में अग्रवाल समाज के वरिष्ठजन, महिलाएं, युवा और बच्चे शामिल हुए। नृत्य प्रतियोगिता में अरम्या अग्रवाल ने प्रथम, अक्षिता अग्रवाल ने द्वितीय और पिहू अग्रवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं फैसी ड्रेस प्रतियोगिता में आर्या अग्रवाल प्रथम, वेद्या अग्रवाल द्वितीय रहीं। देवांश अग्रवाल और आद्या अग्रवाल को संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। नीट परीक्षा उत्तीर्ण करने पर तात्या अग्रवाल पुत्री महेंद्र अग्रवाल को नवयुवक मंडल की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा अन्य प्रतियोगिताओं के विजेताओं और प्रतिभागियों को भी पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। समारोह के माध्यम से समाज में एकता, सहयोग और संस्कारों को बढ़ावा देने के साथ नई पीढ़ी को अपनी गौरवशाली परंपराओं से जोड़ने का संदेश दिया गया। आयोजन को सफल बनाने में नवयुवक मंडल के सदस्यों और युवा कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा। अंत में मंडल की ओर से अतिथियों एवं सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। आयोजन में नगर पालिका जालौन प्रतिनिधि पुनीत मित्तल, पुनीत गोयल, उमेश अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, सीताराम अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, शरद अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, सौरभ मित्तल, आदित्य अग्रवाल, विशाल चौधरी, मनोज गर्ग और गौरव अग्रवाल सहित समाज के अनेक लोग मौजूद रहे। महिला मंडल की ओर से शिल्पी अग्रवाल, पन्योति अग्रवाल, सुजाता अग्रवाल, गुंजन अग्रवाल, रानी अग्रवाल, निशा अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल, दीपिका अग्रवाल, शानू अग्रवाल, वंदना अग्रवाल आरती अग्रवाल, नीलम अग्रवाल, शालिनी अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, कंचन अग्रवाल, कृष्णा अग्रवाल और स्तुति अग्रवाल सहित अन्य महिलाएं मौजूद रही।

## त्योहारों में निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए विभाग ने 200 ट्रांसफार्मरों का मंटीनेंस किया

( यंग भारत न्यूज )  
**कालपी-उरई।** त्योहारों के महेनजर नगर में बेहतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विद्युत विभाग ने कमर कस ली है। कालपी नगरीय क्षेत्र में स्थापित 251 विद्युत ट्रांसफार्मरों की देखरेख, मंटीनेंस और कमियों को दूर करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अवर अभियंता सत्य प्रकाश गौतम की देखरेख में विभागीय कर्मचारी ट्रांसफार्मरों को दुरुस्त करने में जुटे हुए हैं।  
विदित हो कि कालपी नगर के विभिन्न स्थानों पर 251 विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापित हैं। इनमें तकनीकी कमियां आने के कारण बिजली आपूर्ति प्रभावित हो रही थी। इसे गंभीरता से लेते हुए उपखंड अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह सचान के निर्देश पर विभाग ने मंटीनेंस अभियान शुरू किया। इसके तहत ट्रांसफार्मरों की जांच कर आवश्यक मरम्मत की जा रही है, ताकि त्योहारों के दौरान उपभोक्ताओं को बिजली संबंधी परेशानियों का सामना न करना पड़े। अवर अभियंता सत्य प्रकाश गौतम ने बताया कि 200 से अधिक ट्रांसफार्मरों का मंटीनेंस कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष ट्रांसफार्मरों को दुरुस्त करने का काम तेजी से जारी है। उन्होंने कहा कि त्योहारों पर बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता है। अभियान में जेई भूपेंद्र सिंह, अभिषेक धीर, रिंकू पोरवाल, दिलीप कुमार, अजय निगम सहित अन्य विद्युत कर्मचारी सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। विभाग का प्रयास है कि समय रहते सभी ट्रांसफार्मरों की कमियों को दूर कर नगर की बिजली आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाया जा सके।



## प्रेस क्लब के जिलाध्यक्ष मनोज राजा के नेतृत्व में हुआ जोरदार प्रदर्शन

-पत्रकारों की सुरक्षा और प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब ने भेजा ज्ञापन  
-राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम जिलाधिकारी को सौंपा पत्र

( यंग भारत न्यूज )  
**उरई ( जालौन )।** पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा की मांग को लेकर डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन भेजा। संगठन ने लिबिंग इंडिया एवं हिंदी खबर न्यूज चैनल के संपादकों और एक महिला पत्रकार को हिरासत में लिए जाने के प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई।

जिलाध्यक्ष मनोज राजा के नेतृत्व में तैयार ज्ञापन में कहा गया कि पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में जनसमस्याओं और जनहित के मुद्दों को सामने लाते हैं। ऐसे में पत्रकारों के विरुद्ध किसी भी कानूनी कार्रवाई में पारदर्शिता और निर्धारित विधिक प्रक्रिया का पालन किया जाना जरूरी है। ज्ञापन में संबंधित प्रकरण की स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय जांच कराने तथा अधिकारों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की गई। संगठन ने कहा कि पत्रकारों को बिना भय और दबाव के अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए। प्रेस क्लब ने पत्रकारों को धमकी देने, मारपीट और उत्पीड़न की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई, महिला पत्रकारों की सुरक्षा तथा शिकायतों के



समयबद्ध निस्तारण की व्यवस्था करने की मांग की। साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर पत्रकार सुरक्षा आयोग के गठन की पहल करने और प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए प्रभावी दिशा-निर्देश जारी करने पर जोर दिया। संगठन ने स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य किसी व्यक्ति या संस्था के विरुद्ध पूर्वाग्रह के आधार पर कार्रवाई कराना नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच और स्वतंत्र पत्रकारिता की रक्षा सुनिश्चित करना है। इस दौरान अलीम सिद्दीकी, अजय श्रीवास्तव, आशीष शिवहरे, आबिद नकवी, महावीर याज्ञिक, अशफाक उल्ला खान बल्लू, दीपू द्विवेदी, नितिन याज्ञिक, विशाल वर्मा,

राजू सैनी, शैलेंद्र प्रताप याज्ञिक, प्रमोद पाल, रवींद्र गौतम, अफसर हक, प्रदीप महतवानी, राहुल अलाईपुरा, राजकुमार दोहरे, पुनीत चौरसिया, शिवशंकर, शीराज अहमद, मुबीन खान, नवनीत सिंह, जितेंद्र सोनी, अफरोज शेख, अखिलेश सिंह, विक्की परिहार, रवींद्र चौधरी, वसीम खान, मिथलेश कुमार, सुशील पांडेय, मयंक राजपूत, चंद्रशेखर राजपूत, विजय शंकर शुक्ला, डी.डी. पांचाल, विकास गुप्ता, उपेंद्र गुर्जर, मुहम्मद जैद, मनीष जादौन, उपेंद्र चौहान, निकेश कुमार, शिवांशु सिंह, ध्रुव यादव, राजा ओमरे सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे।

## नवरात्रि और विजयदशमी पर रोशनी से जगमगाए उरई के प्रमुख चौराहे जिलाधिकारी के निर्देश पर उरई विकास प्राधिकरण ने कराया सौंदर्यीकरण, आकर्षक लाइटों और झालरों से शहर को दिया उत्सवी स्वरूप

( यंग भारत न्यूज )  
उरई। शक्ति आराधना के पावन पर्व नवरात्रि एवं विजयदशमी के अवसर पर शहर को आकर्षक और उत्सवी स्वरूप देने के लिए उरई विकास प्राधिकरण द्वारा विशेष पहल की गई है। उपाध्यक्ष विकास प्राधिकरण/जिलाधिकारी समीर के निर्देश पर शहर के सात प्रमुख चौराहों का सौंदर्यीकरण कराते हुए आकर्षक लाइटें एवं रंग-बिरंगी झालरें लगावाई गई हैं। रोशनी से जगमगाते चौराहे शहर की सुंदरता बढ़ाने के साथ ही त्योहारों की रौनक में चार चांद लगा रहे हैं। विकास प्राधिकरण द्वारा पटेल चौराहा, डॉ. भीमराव अंबेडकर चौराहा, भगत सिंह चौराहा, शिवाजी चौक, राणा प्रताप चौराहा, रानी लक्ष्मीबाई चौक तथा जिला परिषद तिराहा को आकर्षक विद्युत सजावट से सजाया गया है। प्रमुख स्थानों पर की गई यह सजावट लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है और शहर में पर्वों का उल्लासपूर्ण वातावरण नजर आ रहा है। जिलाधिकारी समीर के निर्देश पर की गई इस पहल का उद्देश्य त्योहारों के दौरान शहर की सुंदरता बढ़ाने के साथ नागरिकों को स्वच्छ, व्यवस्थित और आकर्षक नगरीय वातावरण उपलब्ध कराना है। नवरात्रि और विजयदशमी के अवसर पर शहर के प्रमुख चौराहों की जगमगाहट उरई की सुंदरता को नई पहचान दे रही है।



## सरकार वचितों को आवास देने के लिए खोले हैं खजाना मगर जनपद में अधिकारी और दलाल अपात्रों को दे रहे हैं लाभ

-आवास योजना के लाभ से वंचित गरीब महिला का परिवार छप्पर के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर  
- ग्राम सुलखना की राखी ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर आवास दिलाने की लगाई गुहार



**उरई ( जालौन )।** विकासखंड नदीगांव क्षेत्र के ग्राम सुलखना निवासी राखी पत्नी वीरपाल ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर आवासीय योजना का लाभ दिलाए जाने की मांग की है। पीड़िता ने बताया कि वह अनुसूचित जाति के बसोर समाज से संबंध रखती है और बेहद गरीब है। उसने आवासीय योजना का लाभ पाने के लिए पहले ही आवेदन पत्र भरकर ग्राम प्रधान को दिया था, लेकिन अभी तक उसे आवास सुविधा का लाभ नहीं मिल सका है।  
पीड़िता के अनुसार, उसके परिवार के पास रहने के लिए पक्का मकान नहीं है और वह अपने परिवार के साथ छप्पर के नीचे रहने को मजबूर है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह स्वयं मकान बनवाने में असमर्थ है। ऐसे में परिवार को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। राखी ने जिलाधिकारी से मामले की जांच कराकर पात्रता के आधार पर उसे आवासीय योजना का लाभ दिलाए जाने की मांग की है, ताकि उसके परिवार को सुरक्षित छत मिल सके।

## युवक का शव घर के अंदर फंदे पर लटका मिला, पुलिस जांच में जुटी

( यंग भारत न्यूज )  
**उरई।** जिले के डकौर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत सिमरिया गांव में मंगलवार शाम लगभग 4 बजे एक 22 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। युवक घर पर अकेला था, जब अंदर से बंद दरवाजा किसी तरह खुलबाया गया, तो अंदर युवक फाँसी पर झूल रहा था। मृतक की पहचान मनीष (22) पुत्र मुनालाल राजपूत के रूप में हुई है। मनीष परिवार का इकलौता बेटा था। वह अपने पिता के साथ खेती-किसानी के कार्यों में हाथ बंटता था और गांव में मिलनसार युवक के रूप में जाना जाता था। इस घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को मनीष के पिता मुनालाल अपनी पत्नी और बेटी के साथ खेत पर गए हुए थे। मनीष घर पर अकेला था। इसी दौरान पड़ोसी किसी काम से उसके घर पहुंचे। घर का दरवाजा अंदर से बंद था। कई बार आवाज लगाने के बाद भी अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। काफी देर तक कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर पड़ोसियों को अनहोनी की आशंका हुई। उन्होंने तत्काल मनीष के पिता को सूचना दी। सूचना मिलते ही पिता मुनालाल खेत से घर पहुंचे। आसपास के लोगों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया। अंदर कमरे में मनीष मृत अवस्था में मिला। यह दृश्य देखकर परिजनों में कोहराम मच गया। पूरे गांव में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही डकौर कोतवाली प्रभारी देवेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। कोतवाली प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि मौत के सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होंगे। फिलहाल पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है और परिजनों से पूछताछ की जा रही है। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और जल्द ही स्थिति स्पष्ट की जाएगी।

## ग्राम बड़ागांव में बड़ी माता मंदिर के पुजारी से बेरहमी से मारपीट, वीडियो वायरल - पुलिस जांच में जुटी

( यंग भारत न्यूज )  
उरई। उरई कोतवाली क्षेत्र के बड़ागांव स्थित बड़ी माता मंदिर में पुजारी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया।  
प्राप्त जानकारी के अनुसार, उरई कोतवाली के ग्राम बड़ागांव में करीब 15 दिन पहले बड़ी माता मंदिर में एक बाबा आया था। उसके साथ एक छोटी बंदर भी थी। नवरात्रि के दौरान गांव की महिलाएं सुबह मंदिर में पूजा-पाठ के लिए पहुंचती थीं। इसी दौरान बंदर द्वारा कुछ महिलाओं पर झपट्टा मारे जाने से महिलाएं डर गईं। इस पर ग्रामीणों ने बाबा से बंदर को बाहर छोड़ने के लिए कहा। इसी बात को लेकर मंदिर के पुजारी और गांव के कुछ लोगों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद मंगलवार सुबह पुजारी के साथ आधा दर्जन से अधिक लोगों ने मारपीट की। वायरल वीडियो में पुजारी को जमीन पर गिराकर बाल खींचते हुए मारपीट करते देखा जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद लोगों में इसकी चर्चा शुरू हो गई। मंगलवार दोपहर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है। पुलिस वीडियो के आधार पर मारपीट में शामिल लोगों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। इस संबंध में उरई सीओ राजीव शर्मा ने बताया कि पुलिस जांच कर रही है। जांच के बाद मारपीट में शामिल लोगों की पहचान और शिकायत मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।



# पुलिस व एनसीसी के छात्रो ने यातायात रैली निकालकर वाहन चालको को किया जागरूक

( यंग भारत न्यूज )

कोंच सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को नगर में कोतवाली पुलिस और एनसीसी कैडेट्स ने संयुक्त रूप से जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को चालान काटने के बजाय गुलाब का फूल देकर गांधीगिरी के जरिए यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया। पुलिस की इस अनूठी पहल को देखकर राहगीर और वाहन चालक भी हैरान रह गए।

अभियान के तहत दोपहर एसआरपी इंटर कालेज से मारकंडेश्वर तिराहे तक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में एनसीसी के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसके बाद प्रमुख चौराहों पर यातायात संचालन के साथ वाहन चालकों और आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। पुलिसकर्मियों और कैडेट्स ने लोगों को समझाया कि यातायात नियमों का पालन करना केवल कानूनी ज़िम्मेदारी नहीं, बल्कि स्वयं और दूसरों के जीवन की सुरक्षा के लिए भी जरूरी है। अभियान के दौरान पुलिस ने बिना हेलमेट वाहन चलाने और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों को फूल देकर अपनी गलतियों में सुधार करने की अपील की। साथ ही वाहन चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित किया गया। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक निगवेंद्र प्रताप सिंह और वरिष्ठ उपनिरीक्षक विमलेश कुमार ने कहा कि तेज गति से वाहन चलाना, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन



चलाना, तीन सवारी बैठाना, गलत तरीके से ओवरटेक करना और नशे की हालत में वाहन चलाना सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ाता है। थोड़ी सी लापरवाही किसी की ज़िंदगी पर भारी पड़ सकती है। इसलिए सभी वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। पुलिस और एनसीसी कैडेट्स की इस पहल का उद्देश्य लोगों में यातायात नियमों के प्रति ज़िम्मेदारी की भावना विकसित करना और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जागरूकता बढ़ाना रहा। इस दौरान मिशन प्रभारी वरिष्ठ उपनिरीक्षक विमलेश कुमार, उपनिरीक्षक भारती सिंह, जानवी, शिखा, पूजा पोद्दार, कृष्णा और अर्चना सहित एनसीसी कैडेट्स योगेंद्र, वैष्णवी, रश्मि, पूजा, सूरज, आदित्य, सोमन, विक्रम, अभिषेक, विनय, साहिल, भरत आदि मौजूद रहे।

## सर्पदंश से युवक हुआ अचेत, उपचार जारी

( यंग भारत न्यूज )

कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम भेंपता में सोमवार को धान की फसल देखने गए 33 वर्षीय युवक को सांप ने डस लिया। घटना के बाद परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। युवक के पिता ने तत्परता दिखाते हुए उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार किया गया। (जानकारी के अनुसार ग्राम भेपता निवासी विश्वकांत पुत्र अशोक पटेल उम्र 33 वर्ष अपने खेत पर धान की फसल देखने के लिए गए थे। इसी दौरान जब वह खेत की मेड़ पर पहुंचे, तभी वहां बैठे एक सांप ने उन्हें डस लिया। विश्वकांत ने सांप को देख लिया और घटना की जानकारी पास में मौजूद अपने पिता को दी। बेटे को सांप के काटने की जानकारी मिलते ही पिता ने बिना देर किए उसे मोटरसाइकिल से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां चिकित्सकों की देखरेख में युवक का उपचार किया गया। घटना के बाद गांव में सांप के काटने की लेकर चर्चा का माहौल है। खेतों में काम करने वाले किसानों के लिए यह घटना सतर्क रहने की जरूरत को भी दर्शाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में धान की फसल और खेतों की मेड़ों पर काम करते समय सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। फिलहाल विश्वकांत का सीएचसी कोंच में इलाज जारी है।



# मिशन शक्ति फेज-6.0: माधौगढ़ में महिलाओं और बालिकाओं के लिए जागरूकता अभियान

( यंग भारत न्यूज )

**माधौगढ़ ( जालौन )** उत्तर प्रदेश शासन एवं पुलिस मुख्यालय के दिशा-निर्देशों तथा मिशन शक्ति फेज-6.0 की मानक संचालन प्रक्रिया के अनुपालन में, आज थाना कोतवाली माधौगढ़ की मिशन शक्ति टीम द्वारा कस्बा माधौगढ़ में एक विशेष जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और किशोरियों को सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के प्रति जागरूक करना तथा महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए समाज में व्यापक जन-जागरूकता फैलाना था।

सम्मेलन के दौरान उपस्थित महिलाओं, बालिकाओं एवं स्थानीय नागरिकों को महिला सुरक्षा, धर्म हिंसा, दहेज उत्पीड़न, बाल विवाह निषेध और महिलाओं के कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया गया। टीम ने जोर देकर कहा कि महिलाएं किसी भी प्रकार की प्रताड़ना या असह्य परिस्थिति में डरें नहीं, बल्कि कानून की मदद लें। कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं और किशोरियों को आपातकालीन एवं सहायता सेवाओं से जोड़ने वाले निम्नलिखित टोल-फ्री नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई और आवश्यकता पड़ने पर इनका उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। महिला हेल्पलाइन (1090) छेड़खानी और उत्पीड़न की शिकायतों के लिए। तथा आपातकालीन सेवा (112) किसी भी तुरंत संकट या पुलिस सहायता के लिए। तथा महिला हेल्पलाइन (181) महिलाओं को सामाजिक और कानूनी सहायता प्रदान करने हेतु। तथा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (1076) शासन की योजनाओं और शिकायतों के समाधान के लिए। तथा साइबर हेल्पलाइन (1930) ऑनलाइन ठगी और वित्तीय धोखाधड़ी



व्यक्तिगत जानकारी, बैंक विवरण, ओटीपी (हड़बक) या पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने और शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान स्थानीय महिलाओं ने पुलिस टीम की इस पहल की सराहना की और बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता दर्ज कराई

## सागर तालाब पर हुआ गंगापार मेले का आयोजन मेला देखने उमड़ी भारी भीड

( यंग भारत न्यूज )

कोंच सत्रह दशक से अधिक पुरानी कोंच की ऐतिहासिक रामलीला का 174 वां महोत्सव पूरे उत्साह के साथ जारी है। मंगलवार देर शाम ऐतिहासिक सागर तालाब में रामलीला की पहली मैदानी लीला गंगापार का भव्य मंचन मेले के रूप में किया गया। इस दौरान भगवान श्रीराम, माता जानकी और लक्ष्मण को नाव से तालाब के एक छोर से दूसरे छोर तक ले जाने का दृश्य देखने के लिए सागर तालाब के तट पर सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु और दर्शक जुटे। लीला के दौरान सबसे पहले राम-केवट संवाद का प्रसंग प्रस्तुत किया गया। इसमें वनवास के दौरान भगवान श्रीराम, माता जानकी और अनुज लक्ष्मण को गंगा पार कराने के लिए केवट से आग्रह करते हैं। इसके बाद केवट तीनों के चरण पखारता है और उन्हें नाव में बैठाकर गंगा के प्रतीक सागर तालाब के एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचाता है। इस भावपूर्ण प्रसंग को देखकर दर्शक भावविभोर हो उठे। सागर तालाब के पूर्वी छोर पर बल्दाऊ मंदिर की ओर बने विशाल प्लेटफार्म पर राम-केवट संवाद का मंचन किया गया। गौड़वंशीय परंपरा का निर्वहन करते हुए अतुल चतुर्वेदी के पुत्र नमन चतुर्वेदी ने केवट की भूमिका निभाई। उन्होंने भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के चरण पखारकर उन्हें नाव में बैठाया और तालाब पार कराया। भगवान को नाव से पार ले जाने की व्यवस्था में दीपर बिरादरी के राजेंद्र चौधरी, घनश्याम, लल्लू रायकवार सहित अन्य लोगों ने सहयोग किया। अयोध्या शोध संस्थान द्वारा देश की सर्वश्रेष्ठ घोषित कोंच की मैदानी रामलीला की यह पहली मैदानी लीला है, जिसे मेले के रूप में प्रदर्शित किया गया। आयोजन के दौरान धार्मिक आस्था, परंपरा और लोक संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला। रामलीला के सफल संचालन में धर्मादा रक्षिणी सभा के अध्यक्ष विजय गुप्ता, मंत्री विनोद दुबे, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल, रामलीला समिति के संरक्षक पुरुषोत्तम रिछारिया, संजय सोनी, अध्यक्ष राजीव पटेल, मंत्री शैलेश सोनी, अभिनय विभाग के मंत्री सुधीर सोनी, अतुल चतुर्वेदी, गण विभाग के अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी सहित अन्य लोग जुटे रहे। नगर पालिका में पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने प्रभु श्रीराम, माता जानकी व भाई लक्ष्मण के दर्शन कर उनकी आरती उतारी तथा सभी को प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर नामित सभासद महेंद्र सोनी, अशोक गुर्जर, विजय अवस्थी, महावीर गुप्ता आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर ईशो का न होना चर्चा का विषय रहा।



# सुतली बम से रोगन निकालते समय चला बम ,बच्चा झुलसा

( यंग भारत न्यूज )

कोंच नगर में सोमवार देर रात करीब 10 बजे सुतली बम से रोगन निकालते समय अचानक बम चल जाने से 12 वर्षीय बच्चा झुलस गया। हादसे में बच्चे का हाथ जल गया। घटना के बाद परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच लेकर पहुंचे, जहां उसका उपचार कराया गया। जानकारी के अनुसार नगर के मुहल्ला जयप्रकाश नगर निवासी अंशुल यादव उम्र 12 वर्ष पुत्र हयात सिंह के घर में पिछले साल दीपावली पर लाए गए पटाखों में से एक सुतली बम खरा हुआ था। सोमवार देर रात अंशुल उस सुतली बम को लेकर उसमें से रोगन निकालने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान अचानक बम चल पड़ा, जिसकी चपेट में आने से उसका हाथ जल गया। अचानक हुए इस हादसे से परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। उन्होंने बिना देर किए बच्चे को सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सकों द्वारा उसका इलाज किया गया। घटना घरों में लंबे समय तक रखे रहने वाले पटाखों को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत को उजागर करती है। पटाखों को खोलने, उनमें से सामग्री निकालने या उनके साथ छेड़छाड़ करने से गंभीर हादसा हो सकता है। ऐसे में अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को पुराने पटाखों से दूर रखें और उनकी सुरक्षा पर विशेष ध्यान दें।



# कैंकई के दो बार मांगते ही कराह उठे राजा दशरथ देर रात्रि तक टस से मस नही हुई दर्शको की भीड

( यंग भारत न्यूज )

कोंच नगर की ऐतिहासिक रामलीला में सोमवार की रात रामलीला रंगमंच पर राम वनवास लीला का मंचन किया गया। रामलीला ग्राउंड में दर्शकों से खचाखच भरा था। कैकेई राजा दशरथ से दो वरदान मांगती है। पहला अपने पुत्र भरत के लिए अयोध्या का राज्य और दूसरे से राम को चौदह वर्ष का वनवास। राजा दशरथ अपने ज्येष्ठ पुत्र राम को अयोध्या के राज सिंहासन पर प्रतिष्ठित करना चाहते हैं। राजा का यह मन्व्य जान स्वर्ग का राजा इंद्र घबरा जाता है कि अगर राम का राज्याभिषेक हो गया तो राक्षसों का संहार कैसे होगा, अतः सभी देवतागण माता सरस्वती का आह्वान करते हैं। इधर, रानी कैकेई की मुंहलगी दासी मंथरा के कानों में जब राम राज्याभिषेक का समाचार आता है तो वह जल भुन जाती है और चिल्लाती हुई रनिवास की ओर चली जाती है। उधर, दूसरे दृश्य में रानी कैकेई अपनी सखियों के साथ उद्यान में झूले का आनंद ले रही है और सखियां 'झूले में पवन की आई बहार, प्यार छलके, हां प्यार छलके' गीत गाकर रानी का मन बहला रही हैं। वहां आकर मंथरा अपनी कुटिल चालों से कैकेई को भ्रमित कर देती है और कैकेई को प भवन में चली जाती है। कैकेई राम की शपथ दिला कर दशरथ से भरत के लिए राज्य और राम के लिए चौदह वर्ष का वनवास मांग लेती है। अंततः राम, सीता और लक्ष्मण वन को चले जाते हैं। दशरथ और कैकेई के अभिनय नवोदित रंगकर्मियों क्रमशः लकी दुबे और विनीत मिश्रा द्वारा बहुत ही बेहतरीन ढंग से निभाए गए। मंथरा मुकेश सोनी, कौशल्य सूरज शर्मा, सुमंत्र प्रमोद विदुआ, इंद्र जवाहर अग्रवाल, वशिष्ठ संतोष त्रिपाठी, वृहस्पति आकाश शॉडिल्य, सखियां राजेंद्र बेधड़क, प्रशांत चौहान आदि ने निभाई।



# खेत में भैंस घुसने पर खेत मालिक ने की क्रूरतापूर्ण पिटाई, भैंस की मौत

**पिता-पुत्र पर केस दर्ज**

( यंग भारत न्यूज )

कालपी-उरई। कोतवाली कालपी क्षेत्र के ग्राम मदारपुर में खेत में भैंस के चले जाने पर उसके साथ क्रूरता किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि खेत में भैंस के घुसने से नाराज युवक ने लाठी-डंडों से पीटकर भैंस को गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। विरोध करने पर महिला को जान से मारने की धमकी भी दी गई। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर पिता-पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्राम मदारपुर निवासी गुड्डि पत्नी छक्कू ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 6 अक्टूबर 2026 को परिवार में एक व्यक्ति की मृत्यु होने के कारण वह दाह संस्कार में शामिल होने गई थीं। इसी दौरान उनकी नातिन ज्योति भैंस को पानी पिलाने के लिए ले जा रही थी। रास्ते में भैंस छूटकर गांव के समर पुत्र बबलू के खाली खेत में चली गई। आरोप है कि भैंस के खेत में पहुंचने पर समर ने उसे लाठी-डंडों से पीटा और धारदार हथियार से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल होने के बाद भैंस की मौत हो गई। घटना की जानकारी होने पर गुड्डि शिकायत करने आरोपी के घर पहुंचीं तो समर और उसके पिता बबलू ने कथित तौर पर गाली-गलौज करते हुए पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की तहरीर के आधार पर कोतवाली कालपी पुलिस ने समर और बबलू के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 325, 351(3) तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11(1)(डू) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक रामजी लाल को सौंपी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# मिशन शक्ति अभियान के तहत निकली जागरूकता रैली, महिलाओं को सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

( यंग भारत न्यूज )

कालपी-उरई। शासन की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति अभियान के तहत कालपी नगर में महिलाओं और छात्राओं को सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विशाल जागरूकता रैली निकाली गई। एडीशनल इंसपेक्टर अवनीश कुमार के नेतृत्व तथा मिशन शक्ति प्रभारी महिला उपनिरीक्षक ममतेश कुमार की मौजूदगी में निकाली गई रैली के माध्यम से महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा संबंधी उपायों की जानकारी दी गई।

बीती शाम स्थानीय कोतवाली परिसर से शुरू हुई रैली महमूदपुरा, दुर्गा मंदिर चौराहा, फुलपावर चौराहा और बाईपास सर्विस लेन सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। रैली में शामिल पुलिसकर्मी नारी सम्मान, नारी सुरक्षा और नारी स्वावलंबन से संबंधित नारे लगाते हुए चल रहे थे। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं के हितों से जुड़े जागरूकता पत्रक भी वितरित किए। मिशन शक्ति प्रभारी उपनिरीक्षक ममतेश कुमार ने महिलाओं और छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी विपरीत परिस्थिति में घबराने के बजाय निडर होकर पुलिस से सहायता लें। उन्होंने महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी देते हुए बताया कि छेड़छाड़, उत्पीड़न, साइबर अपराध या अन्य किसी आपात स्थिति में इन सेवाओं का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने छात्राओं को सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने, अनजान व्यक्तियों से सतर्क रहने तथा किसी भी तरह की परेशानी होने पर परिजनों या पुलिस को तत्काल सूचना देने की सलाह दी। अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं में सुरक्षा के प्रति विश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा। रैली में उपनिरीक्षक ममतेश कुमारी, एडीशनल इंसपेक्टर अवनीश कुमार, उपनिरीक्षक दयार्शकर, नेहा पटेल, गीतांजलि, निधि, नीतू, लक्ष्मी उपाध्याय, प्रीति त्यागी, सोनी गौतम, आकृति, हेड कांस्टेबल मुकेश सैन, राममोहन, राजकिशोर, साहिल, सतीश, प्रशांत अवस्थी, प्रशांत सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

## चितौरा रोड पर पेड़ गिरने से थमा वाहनों का पहिया, राहगीर परेशान

( यंग भारत न्यूज )

माधौगढ़ ( जालौन )

माधौगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चितौरा रोड पर काली माता मंदिर के निकट एक बड़ा पेड़ अचानक टूटकर सड़क पर गिर गया। इस घटना के कारण इस व्यस्त मार्ग पर आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार, चितौरा रोड एक महत्वपूर्ण मार्ग है जहां से प्रतिदिन सुबह से शाम तक बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहनों का आना-जाना लगा रहता है। सड़क के बीचों-बीच पेड़ के गिरे होने के कारण वाहनों की आवाजाही ठप पड़ गई है। दोपहिया वाहन चालकों को तो किसी तरह संकरे रास्ते से निकलने में कठिनाई हो रही है, लेकिन चारपहिया और भारी वाहनों के लिए यहां से गुजरना पूरी तरह असंभव हो गया है, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई हैं। सड़क मार्ग अवरुद्ध होने के साथ-साथ इस स्थिति ने एक बड़े हादसे की आशंका को भी जन्म दे दिया है। खासकर रात के समय या कम रोशनी में यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को गिरा हुआ पेड़ दिखाई नहीं देने पर किसी बड़ी दुर्घटना का शिकार होने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने इस संबंध में गहरी चिंता व्यक्त करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों से त्वरित कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि अविर्लंब मौके पर वन विभाग या नगर पालिका की टीम को भेजकर इस टूटे हुए पेड़ को सड़क से हटवाया जाए ताकि यातायात को सुचारु बनाया जा सके और किसी भी अप्रिय घटना को टाला जा सके। अब यह देखना बेहद अहम होगा कि स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभाग इस गंभीर समस्या पर कितनी जल्दी संज्ञान लेते हैं और राहत कार्य शुरू करते हैं।



## आवारा जानवर से टकराई बाइक, दो गंभीर रूप से घायल घायल मजदूर, को भेजा गया जिला अस्पताल

( यंग भारत न्यूज )

कोंच कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को एक सड़क हादसे में बाइक सवार दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा कैलिया रोड बाईपास पर दोहर के पास स्थित हमारा पेट्रोल पंप के नजदीक हुआ।

दोनों मजदूर कोंच से अपने गांव खैरी लौट रहे थे, तभी उनकी बाइक सड़क पर अचानक आए आवारा मवेशी से टकरा गई। टक्कर के बाद बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई, जिससे दोनों को गंभीर चोटें आईं। (जानकारी के अनुसार ग्राम खैरी निवासी महताब सिंह पुत्र मनसुख परिहार उम्र 50 वर्ष और विनोद कुमार पुत्र कमल कोरी उम्र 52 वर्ष कोंच में मजदूरी का काम करते हैं। सोमवार को भी दोनों रोजाना की तरह काम खत्म करने के बाद मोटरसाइकिल से अपने गांव वापस जा रहे थे। इसी दौरान कैलिया बाईपास पर पेट्रोल पंप के पास आवारा जानवर से उनकी बाइक टकरा गयख। घटना के बाद वहां से गुजर रहे राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों की मदद की। बरोदा के प्रधान अयोध्या प्रसाद ने डायल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच पहुंचाया गया। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। सीएचसी में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कालेज, उरई रेफर कर दिया।







# मांगें मन की शक्ति संग जीवन संवारने का आशीष

आत्मशक्ति के आह्वान का, चेतना को जागृत करने का पर्व नवरात्र आरंभ हो चुका है। इन दिनों का मत्स्य, दिव्य परिवेश न केवल हमें मां शक्तिस्वरूपा का सन्निध्य पाने का अवसर देता है, अपने जीवन को नई ऊर्जा से भरने के लिए भी प्रेरित करता है। आइए इन नवरात्रों में हम सब मां भगवती से आत्मशक्ति के जागरण के साथ अपने जीवन को संवारने का भी आशीष मांगें। ताकि घर-परिवार से लेकर समाज में सकारात्मकता का संचार हो।



आवरण कथा  
डॉ. ज्योतिषा शर्मा

बीते दो दिन से हर ओर मां आदिशक्ति के जयकारे गुंज रहे हैं। मातृशक्ति के समग्र पूरा समाज नतमस्तक है। बहुत से घरों में घट स्थापना के बाद निर्वाण पूजन-अर्चन हो रहा है। कहीं गरबा का अल्लास तो कहीं किसी एक कोने में भक्ति भाव से मां की प्रार्थना में रत मन। शक्ति को साधने का उत्सव कहे जाने वाले नवरात्र पर्व की छटा आम जीवन में हो नहीं, आत्मा में भी उतरती है। हर कोई अपनी ऊर्जा का समर्पण कर मां दुर्गा से यह आह्वान करता दिखाता है कि शक्ति स्वरूप नई शक्ति और सोच का संचार करें। घर-परिवार हो नहीं, समग्र संसार में सुख-शांति बनी रहे। मां का आशीर्वाद जिंदगी को सही दिशा में बलिमान रखे। भगवती का आशीष, सोच-समझ में सकारात्मकता के रंग भर दे। असल में बच्चे हों या बड़े, ऊर्जा और अनुभूतियों का यही भाव जीवन से जोड़ता है। समझना जरूरी है कि इस सहजता और सकारात्मकता के साथ ही मां दुर्गा की आराधना ममता, क्षम, स्वाभिमान और न्याय का भाव भी लिए। तभी तो उपासना के ये नौ दिन, परंपरागत रंगों के साथ ही मानवैय सोच और मन को मजबूत बनाने का सुंदर अवसर भी है। शक्ति स्वरूपा भगवती, जीवन के हर पहलू को संभालने का विचार जगाने वाली हैं। हर दुर्घटना का प्रतिकार करने की हिम्मत देने वाली हैं। शिष्यों के मन-जीवन से ऐसे भाव गहराई से जुड़े होते हैं। महाशक्ति देवी भगवती की उपासना कर, हर स्त्री अपने सामर्थ्य को पहचानने का आशीष मांगें। अपने जीवन के रण में स्वयं शक्ति स्वरूपा बनें।



दिन मन-जीवन को नया-सा कर जाते हैं। ऐसे में मां का आह्वान कर हर स्त्री जीवन की परिस्थितियों से जुड़ने का साहस और संबल जुटा सकती है। मां अंबे की साधना करते हुए उनके शक्तिस्वरूपा और जात्रात रूप को अपने भीतर सहेजते हुए केहरी की ओर बढ़ने का प्रयत्न से सकती हैं। मन और शक्ति के लिए नई ऊर्जा उपार्जित कर सकती हैं। उस के हर मोड़ पर महिलार कई मोचों पर एक साथ जुड़ती हैं। आर्थिक संकट से लेकर अनगिनत संभाल-देखभाल तक, फिक्र के फेर में फंसी रहती हैं। भारतीय परिवेश में तो महिलाएं होसले और हिम्मत से हर संकट का सामना करते हुए आगे बढ़ी हैं और बढ़ रही हैं।

माना भी जाता है कि स्त्री हर संकट से जुड़ने का होसला जुटा ही लेती है। वह अवसर इस शक्ति की और निखारने का अवसर होता है, क्योंकि नारी की प्रखरता और शक्ति सामर्थ्य का नाम ही मां दुर्गा है। नौ दिनों का आध्यात्मिक और पारंपरिक पर्व हर स्त्री को समझाता है कि प्रकृति ने उसे सहज-सरल ही नहीं बनाया, जरूरत पड़ने पर हर मुसीबत से लड़ जाने का मादा भी दिया है। मां भगवती का पूजन-अर्चन अपने सामर्थ्य को सहेजने और मुसीबतों के आगे मोर्चा संभालने की शक्ति का आह्वान करना ही तो है। इन नौ दिनों में मां का वंदन करते हुए अपने भीतर की इस शक्ति को पहचानने का प्रयत्न भी हर स्त्री अवश्य करें।

## समग्र-जागरूक बनिए

मां दुर्गा का रूप भारतीय स्त्री के अन्तर्विश्वास से दमकते मुखमंडल का प्रतीक है। मातृ-शक्ति के रूप में पौषक और चेतनामयी रूप में सजगता और जागरूकता का प्रतिबिंब। स्त्री जीवन में हर मोर्चे पर सजगता और जागरूकता अहम है। असल में देख जाए, तो महिलाओं में जिंदगी के हर पहलू को लेकर चेतना संपन्न सोच होनी ही चाहिए। अधिकतरों के लिए जागरूकता और सुरक्षित जीवन के लिए सजगता अवश्यक है। भारत ही नहीं, संसार के हर हिस्से में सशक्त बनने और बने

रहने की एक जरूरी शर्त जागरूक और सजग रहना ही है। हर जगह नियम-कानूनों की जनकरी रखना ही, तो सुरक्षा और सम्मान के हालात बनाता है। इतना ही नहीं जिंदगी से जुड़ी दूसरी खदियों को लेकर मुखरता और संकीर्ण विचारों का विरोध करने का धरातल भी स्त्री जानकरी हो बनाती है। आम गृहिणी हों या काम-काजी, हर महिला के लिए किसी सार्थक और सकारात्मक पहल का हिस्सा बनने या अपने जीवन को बेहतर बनाने का पहला पड़ाव जागरूक रहना ही है। नवरात्र में मां दुर्गा से भी अपनी चेतना को पोषित करने का आशीष मांगा जाता है। शक्ति उपासना के इस पर्व पर हर स्त्री अपने अंतर्मन की शक्ति को साधने और जागरूक रहने का बल जुटाए। एक चेतना से संपन्न स्त्री ही सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक



सरोकारों के प्रति जागरूक हो सकती है। समाज में फैली कुप्रथाओं के विरुद्ध लड़ने का संबल जुटा सकती है। वह अपने सामर्थ्य को पहचानने की दिशा में सबसे पहला कदम है।

## साथ-स्नेह के मायने समझिए

आदि शक्ति को उपासना का पर्व नवरात्र, महिलाओं के मन और जीवन में झलकती नई ऊर्जा, नई चेतना की भी प्रतिबिंबित करता है। इस चेतनामयी बल के दम पर स्त्रियां आत्मविश्वास और मुखर बनकर ना केवल हर मुसीबत से जूझ सकती हैं बल्कि औरों का सहारा भी बन सकती हैं। स्वयं मां दुर्गा ने भी कई बार देवताओं के कष्ट हरे हैं। शक्ति पूजा के बार श्रीगम को जीत का आशीष भी आदिशक्ति ने ही दिया था। स्त्रियां भी साझी सोच के साथ हर संकट का मुकाबला कर सकती हैं। एक दुजे का संबल बन सकती हैं। इसीलिए किसी की पीड़ा भी बंटे और संबल भी दे। परेशानों के दौर में किसी का साथ दे और कामवाची के समक्ष सराहना भी करें। अपने सपने को पूरा करने के होसले के साथ ही दूसरों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का मानस भी जरूरी है। अपनी नेतृत्व क्षमता और योग्यता पर भरोसा रखते हुए आगे बढ़ती जाएं। स्थाकता होने का अर्थ वही है कि हम खुद को मजबूती से धामते हुए दूसरों को कुछ देना भी सीखें। स्त्री मां के रूप में मात्र जीवन नहीं देती है, अपने बच्चों को मनुष्यता का पाठ पढ़ाकर समग्र को जिम्मेदार नागरिक भी देती है। जो स्वयं को कभी कम ना आंके। शक्ति के उपार्जन का यह पर्व मातृ-शक्ति की उपासना को सर्वोच्च दर्जा देता है। वं भी भारतीय संस्कृति में मातृ-शक्ति को प्राणमय माना गया है और उसका स्थान सबसे ऊपर है। इसीलिए इस पर्व पर हर महिला खुद सृजन शक्ति के सही अर्थ को समझे। अपने उस सामर्थ्य को पहचाने, जो उसे प्रकृति ने दिया है। स्त्रियां इसी सामर्थ्य के बल पर साथ-संयुक्त का परिवेश बना सकती हैं। ईर्ष्या, स्वार्थ और असुरक्षा की भावना से दूर अपनी और दूसरी स्त्रियों की बेहतरी के लिए प्रयास करने का आशीष मांगना ही सही मायने में मां शक्ति के वंदन करने का भाव है।

पर्व एक बहुत बड़ा अवसर होते हैं, अपनी संस्कृति-परंपरा से जुड़ने का। बच्चों को नवरात्र से जुड़े विधि-विधान बताएं और उन्हें अपनी परंपरा-संस्कृति से जोड़ें। इसके लिए आप कुछ बातों पर ध्यान दें।

# नवरात्र में बच्चों को जोड़ें अपनी संस्कृति-परंपरा से



बच्चे और आप  
शिक्षित चोखन

नवरात्र आरंभ चूके हैं। लोग बड़ी आस्था के साथ मां दुर्गा की पूजा-पाठ में व्यस्त हैं। भजन-कीर्तन चल रहे हैं। जगह-जगह माता की चौकी सजी हुई है। वहीं दूसरी तरफ गरबा-डांडिया भी आरंभ हो रहे हैं। बड़े-छोटे सभी इस उत्सवी माहौल में उमंगित हैं। इसमें कोई दो मत नहीं कि पर्व बच्चों को अपनी संस्कृति-परंपराओं से जोड़ने का एक अच्छा अवसर होते हैं। बच्चे सिर्फ पूजा के समय साथ बैठाने से अपनी संस्कृति-परंपराओं से परिचित नहीं हो सकते। उन्हें पूजा की तैयारी, भजन, प्रसाद और नवरात्र से जुड़ी अन्य गतिविधियों में शामिल करना जरूरी है। इससे वे त्योहार का मतलब सही ढंग से समझेंगे, खुशी के साथ नवरात्र पर्व का हिस्सा बनेंगे। पूजा की तैयारी में दें छोटी जिम्मेदारियां: बच्चों को नवरात्र पूजा की तैयारी में अवश्य शामिल करें। छोटे बच्चे, फूल सजाने और पूजा की थाली लगाने में मदद कर सकते हैं। बड़े बच्चे रंगोली बना सकते हैं या पूजा की जगह सजाने में सहायता कर सकते हैं। इससे उनके भीतर मां दुर्गा के प्रति आस्था और भक्ति के भाव जागेंगे।



नौ दिन-नौ कहानियां: बच्चों को हर दिन मां के एक स्वरूप की कहानी अवश्य सुनाएं। कहानी के साथ उससे मिलने वाली सीख भी बताएं, जैसे किसी दिन माता के सहास की बात करें, तो किसी दिन दया-करुणा और धैर्य की। इस तरह बच्चे मां की कथाओं से प्रेरणा लेंगे। बच्चों के सवालों का जवाब दें: बच्चे बहुत ही जिज्ञासु होते हैं। वे पूछते हैं कि नवरात्र नौ दिन क्यों मनाई जाती हैं? कन्या पूजन क्यों होता है? मां के अलग-अलग स्वरूप क्यों हैं? बच्चों के सवालों को कभी टालें नहीं। उन्हें आसान भाषा में जवाब दें। जब बच्चों को किसी परंपरा की वजह समझ आती है, तो वे उसे असानी से अपना पाते हैं। प्रसाद बनाने में मदद लें: नवरात्र पूजन का प्रसाद और फलाहार बनाने समय बच्चों को भी साथ रखें। वे

कन्या पूजन का मतलब बताएं: अष्टमी या नवमी पर कन्या पूजन के दौरान बच्चों को जरूर साथ में रखें। कन्याओं के स्वागत, भोजन और प्रसाद की तैयारी में उनकी मदद लें। उन्हें समझाएं कि कन्याओं का सम्मान जरूरी है। सम्मान सिर्फ त्योहार के दिन नहीं, बल्कि साल के प्रत्येक दिन होना चाहिए। बच्चों को दें उनकी परसंद का काम: बच्चों को पूजा और परंपराओं से जोड़ते समय इस बात का ध्यान रखें कि उन्हें उनकी नापसंद का काम ना सौंपें। उन्हें उनकी परसंद के काम में शामिल करें। किसी को सजावट करना पसंद है, तो उसे सजावट करने दें और प्रसाद बांटना पसंद है, तो उसे वह जिम्मेदारी दें। बड़े प्रयास की जरूरत नहीं: बच्चों को परंपराओं से जोड़ने के लिए बड़े प्रयास की जरूरत नहीं है। उन्हें बस त्योहार का हिस्सा बनाना है। जब बच्चे पूजा की थाली सजाएंगे, वादी-नानी से कहानी सुनेंगे, परिवार के साथ गरबा करेंगे और प्रसाद बांटेंगे, तो नवरात्र उनके लिए परिवार के साथ बिताया एक खूबसूरत समय बन जाएगा। वे अपनी परंपरा-संस्कृति से जुड़ेंगे।



डाइट सजेस्टन  
डॉ. आरुषा शर्मा  
सीनियर डाइटिशियन

नवरात्र व्रत के दौरान कई महिलाएं नौ दिनों तक फलहार या सीमित आहार का पालन करती हैं। इन दिनों आप भी ऐसा कर रही होंगी। लेकिन व्रत खत्म होने के बाद अचानक भारी, तला-भुना और ज्यादा मीठा खाना शुरू कर देना, शरीर के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। इससे नैस, पेट फूलना, कब्ज, एसिडिटी, थकान और ब्लड शुगर में उतार-चढ़ाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में व्रत के बाद शरीर को किसी 'क्रैश डिटॉक्स' की नहीं, बल्कि संतुलित और धीरे-धीरे सामान्य डाइट में लौटने की जरूरत होती है। व्रत के बाद शरीर को डिटॉक्स करने के नाम पर जूस डाइट, केवल फल खाने या लंबे समय तक खाना छोड़ने की जरूरत नहीं है। व्रत के बाद सबसे जरूरी है कि हम शरीर को पर्याप्त पानी, प्रोटीन, फाइबर और माइक्रोव्यूट्रिएंट्स दें और सामान्य डाइट में धीरे-धीरे वापस आएं। व्रत के बाद डाइट प्लानिंग: व्रत खोलने के तुरंत बाद बहुत ज्यादा खाना खाने से बचें। शुरुआत हल्के और आसानी से पचने वाले भोजन से करें। खिचड़ी, दही, चावल, मूंग दाल, सब्जियां, सूप या हल्का घर का बना भोजन बेहतर विकल्प हो सकते हैं। अगले कुछ दिनों में सामान्य संतुलित डाइट को धीरे-धीरे अपने रूटीन में शामिल किया जा सकता है। शीफ्रोटोटीन रिच डाइट: अगर व्रत के दौरान शरीर का सेवन कम रहा है, तो व्रत के बाद इसकी भरपाई करना जरूरी है। डाइट में दाल, पनीर, दही, दूध, सोया, चना और अन्य प्रोटीन स्रोत शामिल करें। पर्वण प्रोटीन

नवरात्र में कई महिलाएं नौ दिनों का व्रत रखती हैं। लेकिन व्रत पूरे करने के बाद डाइट में अचानक बदलाव करने से पाचन तंत्र पर असर पड़ सकता है। ऐसे में धीरे-धीरे नॉर्मल डाइट में वापसी करनी चाहिए। इस बारे में यूजफुल सजेस्टन।

## व्रत के बाद न बरतें लापरवाही ऐसे करें नॉर्मल डाइट में वापसी



शरीर की मांसपेशियों को बनाए रखने और लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद करता है। पानी और फाइबर बढ़ाएं: व्रत के दौरान पानी और फाइबर का सेवन कम होने से कब्ज और पेट फूलने की समस्या हो सकती है। दिनभर पर्याप्त पानी पिएं और धीरे-धीरे सलाद, फल, सब्जियां, साबुत अनाज और दालों को डाइट में शामिल करें। फाइबर अचानक बहुत ज्यादा बढ़ाने के बजाय इसकी मात्रा धीरे-धीरे बढ़ाना बेहतर है। इन फूड्स से बनाएं दूरी: व्रत खत्म होते ही मिठाइयां, तली-भुनी चीजें, नमकीन, प्रोसेस्ड फूड, ज्यादा मसालेदार भोजन और शुगर युक्त ड्रिंक्स का अधिक सेवन न करें। लंबे समय तक कम कैलोरी लेने के बाद अचानक बहुत ज्यादा कैलोरी लेने से पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। प्रस्तुति: निशि



मेकअप  
निधि गोयल

नवरात्र में गरबा नाइट में घंटों डांस और मस्ती के बीच आपका लुक भी परफेक्ट रहना चाहिए। लेकिन पसीने की वजह से मेकअप जल्दी खराब हो सकता है। ऐसे में जरूरी है कि मेकअप करते समय सही प्रोडक्ट्स अलार्ड करें और कुछ असान स्टेप्स को भी फॉलो करें। इससे आपका मेकअप लंबे समय तक टिका रहेगा और आप पूरी रात फ्रेश और खुबसूरत नजर आएंगी। सबसे पहले मांसिकराइजर: सबसे पहले त्वचा को सफा करना जरूरी है। इसके लिए माइल्ड फेस वॉश के ज़रिए चेहरे को अच्छी तरह साफ कर लें। फिर चेहरे को मांसिकराइजर करें। इससे आपकी त्वचा पर नमी बने रहेगी, साथ ही मेकअप ज्यादा ड्य़ाय नजर नहीं आएगा। साथ ही मेकअप बेहतर तरीके से हो पाएगा। इसके बाद प्राइमर का इस्तेमाल करें, जिससे मेकअप ज्यादा देर तक टिका रहता है। अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो मैटिफाइंग प्राइमर लगाएं, खसकर माथे, नाक और चूड़ों के असपास। ड्य़ाय रिफ़िन के लिए हाइड्रेटिंग प्राइमर बेहतर विकल्प हो सकता है। ज्यादा हेवी बेस लगाने से बचें: अगर आप चाहती हैं कि गरबा करते हुए आपको मेकअप अट्रैक्टिव नजर आए, तो बहुत ज्यादा मेकअप करने से बचें। गरबा में घंटों डांस करना हो, तो चेहरे पर फाउंडेशन को मोटी परत लगाने से बचें। हल्का और लॉन्ग-वेयर बेस चुनें और जहां जरूरत हो, वहां कंसीलर लगाएं। ज्यादा



## ऐसे करें मेकअप-मेंटेन रहेगा ग्लो

साथ ही मेकअप ज्यादा ड्य़ाय नजर नहीं आएगा। साथ ही मेकअप बेहतर तरीके से हो पाएगा। इसके बाद प्राइमर का इस्तेमाल करें, जिससे मेकअप ज्यादा देर तक टिका रहता है। अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो मैटिफाइंग प्राइमर लगाएं, खसकर माथे, नाक और चूड़ों के असपास। ड्य़ाय रिफ़िन के लिए हाइड्रेटिंग प्राइमर बेहतर विकल्प हो सकता है। ज्यादा हेवी बेस लगाने से बचें: अगर आप चाहती हैं कि गरबा करते हुए आपको मेकअप अट्रैक्टिव नजर आए, तो बहुत ज्यादा मेकअप करने से बचें। गरबा में घंटों डांस करना हो, तो चेहरे पर फाउंडेशन को मोटी परत लगाने से बचें। हल्का और लॉन्ग-वेयर बेस चुनें और जहां जरूरत हो, वहां कंसीलर लगाएं। ज्यादा



ग्लोडक लगाने पर फसोने के साथ पैचो नजर आ सकता है। वॉटरप्रूफ आई मेकअप: पसीने से आपका मेकअप मेल्ट न हो, इसके लिए आंखों पर

## घर की सजावट हो अलग-आकर्षक

नवरात्र शुरू हो चुके हैं। आप इन दिनों अपने घर को कुछ अलग अंदाज में जरूर सजावा चाहेंगी। हम आपको कुछ ऐसे यूनीक आइडियाज बता रहे हैं, जिनसे आप अपने घर को आकर्षक अंदाज में डेकोरेट कर सकती हैं।



के प्रवेश द्वार पर पारंपरिक रंग और फूलों की खुशबू दोनों नजर आएं। रंगोली बने आकर्षक का केंद्र: रंगोली को सिर्फ दरवाजे के पास छोटी-सी सजावट तक सीमित न रखें। इस बार इसे थोड़ा बड़ा बनाकर घर की सजावट का मुख्य आकर्षण



बनाएं। रंगीन चावल, फूलों की पंखुड़ियां और दीपों की मदद से ज्योतिषीय या फूलों वाले डिजाइन बनाए जा सकते हैं। हर दिन रंगोली का डिजाइन बदलने से सजावट में नयनान बना रहेगा। मिट्टी के दीपों से रोशन करें घर: नवरात्र

वटरप्रूफ आई मेकअप करें। इससे आपका मेकअप जल्दी से खराब नहीं होगा। बेहतर होगा कि आप वटरप्रूफ काजल, आइलाइनर और मस्का चुनें। टी-जोन को करें हल्का सेट: मेकअप के बाद ट्रांसलुसेंट या सैटिंग पावडर से खालीतर पर टी-जोन को हल्का सेट करें। इससे एक्सट्रा ऑयल को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। ध्यान रखें कि बहुत ज्यादा पावडर लगाने से चेहरा केकी दिख सकता है। इसलिए बहुत ज्यादा पावडर लगाने से बचें। लॉन्ग-लास्टिंग लिपस्टिक: पसीना आने पर लिपस्टिक भी होंठों पर लंबे समय तक स्टे नहीं कर पाता है, तो ऐसे में जरूरी है कि बार-बार लिपस्टिक के रटअप से बचने के लिए गैट या ट्रांसपेरेंट-रिफ्रेशर लिपिबड लिपस्टिक चुनें। लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों को मांसिकराइजर करें और लिप लाइनर का इस्तेमाल करें। (व्यूटीशियन साधन शर्मा से बातचीत पर आधारित)

को सजावट में मिट्टी के दीपों की खुबसूरती अलग ही नजर आती है। पूजा स्थल, खिड़की, बालकनी या सीढ़ियों पर दीपों की सजावट सजाएं। अलग-अलग आकार के दीपों को फूलों की पंखुड़ियों से सजी ट्रे में भी रखा जा सकता है। शाम के समय दीपों की हल्की रोशनी घर को आध्यात्मिक माहौल देती है। धंधानी-शीशों वाले लटकन: अगर आप बिना ज्यादा खर्च के घर को रंगीन लुक देना चाहती हैं, तो बंधानी कपड़े और शीशों वाले राजस्थानी लटकन इस्तेमाल कर सकती हैं। इन्हें मुख्य दीवार या पूजा स्थल के पीछे सजाएं। दिन की रोशनी पड़ने पर छोटे शीशे चमकेंगे और कमरे में खुबसूरत सी-शिलमिलाहट नजर आएगी। रंग-बिरंगे लटकन भी नवरात्र के माहौल के साथ खुब बनें। सजाएं फूलों की मालाएं: इस बार सिर्फ एक लंबी माला लगाने के बजाय अलग-अलग फूलों की कई मालाओं से सजावट करें। गेंदे, गुलाब, गुलाबउदी जैसे फूलों की मालाओं की दरवाजे, खिड़की, पूजा स्थल या मंदिर के आसपास लगाया जा सकता है। हर दिन अलग रंग के फूलों का चुनाव करें। इससे सजावट में रोज थोड़ा बदलाव भी नजर आएगा और घर में फूलों की खुशबू भी बनी रहेगी।

# महिलाओं के सम्मान पर कांग्रेस का दोहरा मापदंड क्यों : भाजपा महिला मोर्चा

जेएनयू की छात्राओं के आरोपों का मामला उठाकर कांग्रेस नेतृत्व से मांगा जवाब, निष्पक्ष जांच और महिला सम्मान पर दिया जोर

( यंग भारत न्यूज )

झांसी। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने महिलाओं के सम्मान और राजनीतिक जवाबदेही के मुद्दे पर कांग्रेस नेतृत्व से सवाल उठाए। मंगलवार, 13 अक्टूबर को महिला मोर्चा की झांसी महानगर जिलाध्यक्ष सुमन पुरोहित के नेतृत्व में प्रदर्शन कर जेएनयू की 11 छात्राओं द्वारा कांग्रेस सांसद एवं तत्कालीन प्रोफेसर अंगोमचा बिमल अकोइजाम के खिलाफ लगाए गए कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों का मामला उठाया गया। महिला मोर्चा ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों की बात करने वाले राजनीतिक दलों को अपने नेताओं के मामलों में भी समान जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। महिला मोर्चा की ओर से कहा गया कि छात्राओं की शिकायतों के संबंध में

विश्वविद्यालय की आंतरिक समिति की जांच के बाद संबंधित प्रोफेसर को सेवा से बर्खास्त किए जाने की जानकारी सामने आई है। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने भी प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। संगठन ने कांग्रेस नेतृत्व और राहुल गांधी से इस मामले पर अपना रुख स्पष्ट

चाहिए। महिला मोर्चा ने उत्तर प्रदेश में महिलाओं के साथ कथित अभद्रता, दुर्व्यवहार या अपमान की शिकायतों की भी निष्पक्ष जांच की मांग की। संगठन का कहना है कि महिला किसी भी राजनीतिक दल से जुड़ी हो, उसकी गरिमा और सम्मान की रक्षा होनी चाहिए। आरोपों की निष्पक्ष जांच और कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। प्रदर्शन में रजनी गुप्ता, कविता शर्मा, प्रतिमा कुलकर्णी, दुर्गाश, नंदिनी नामदेव, ममता चौरसिया, कुसुम कुशवाहा, नूपुर पाठक, शिवांगी मुद्गिल, पूजा चौधरी, निधि वर्मा, प्राची नामदेव, वंदना चौधरी, रोशनी साहू, श्वेता पाराशर और खुशबू नामदेव सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं। अंत में जिला महामंत्री नीलम सकरैया ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

# सीनियर नेशनल हॉकी चैंपियनशिप: छत्तीसगढ़ ने 12-1 से दर्ज की बड़ी जीत, बिहार और राजस्थान भी जीते

झांसी में राष्ट्रीय प्रतियोगिता के पांच मुकाबले खेले गए, अरुणाचल और दादरा-नगर हवेली की टीमों ने भी हासिल की जीत

( यंग भारत न्यूज )  
झांसी। मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित 16वां हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप-2026 में मंगलवार को रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। प्रतियोगिता में हॉकी छत्तीसगढ़ ने उत्तराखंड को 12-1 से हराकर सबसे बड़ी जीत दर्ज की। वहीं बिहार, राजस्थान, अरुणाचल प्रदेश और दादरा-नगर हवेली एवं दमन-दीव की टीमों ने भी अपने-अपने मुकाबले जीते। पहले मुकाबले में हॉकी राजस्थान ने आंध्र प्रदेश को 5-3 गोल से पराजित किया। राजस्थान की ओर से अंकित रावत और अनुराग सुथर ने दो-दो गोल किए, जबकि कुणाल कुंडल ने एक गोल दागा। दूसरे मैच में बिहार ने गुजरात को 7-2 से हराया। बिहार के जॉनी कुमार ने सर्वाधिक तीन गोल किए।



मोहम्मद सिद्दीक, रविकांत कुमार, अतीत कुमार और अभय कुमार ने एक-एक गोल किया। तीसरे मुकाबले में हॉकी अरुणाचल ने गोवा हॉकी को 4-3 से शिकस्त दी।

मनोज यादव ने दो, जबकि शिवम सिंह और कसान अभिनव सिंह ने एक-एक गोल किया। चौथे मैच में दादरा-नगर हवेली एवं दमन-दीव हॉकी टीम ने तेलंगाना को 2-0 से हराया। सुनील यादव और नागेंद्र सिंह ने एक-एक गोल किया। अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी अब्दुल अजीजी ने मुद्रस्सर कुरैशी को मैन ऑफ द मैच से सम्मानित किया। दिन के अंतिम मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने उत्तराखंड को 12-1 से करारी शिकस्त दी। कसान संदीप कुमार और सोनू निषाद ने तीन-तीन गोल किए, जबकि तरुण यादव ने दो गोल दागे। प्रतियोगिता का आयोजन हॉकी इंडिया के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश हॉकी, जिला प्रशासन और क्षेत्रीय खेल कार्यालय के समन्वय से हो रहा है। बुधवार को छह मुकाबले खेले जाएंगे।

# कालपी के सड़क पर स्थित एमएसबी इंटर कॉलेज की दुकान/केंटीन से बीती रात सवा लाख की चोरी

पुलिस को समान और नकदी चोरी जाने की दी तहरीर

( यंग भारत न्यूज )  
कालपी-उरई। बीती रात 12/13 अक्टूबर को रात में हाईवे किनारे स्थित एक प्रतिष्ठित स्कूल की केंटीन को निशाना बनाकर अज्ञात बदमाशों ने शटर का ताला तोड़कर नकदी तथा सामान समेत करीब सवा लाख रुपये का माल पार कर ले गए। मंगलवार सुबह दुकान खोलने पहुंचे

संचालक को घटना की जानकारी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर जांच शुरू कर दी है। विधालय की केंटीन संचालक जयवीर कुमार गुप्ता ने कोतवाली कालपी में शिकायती पत्र देकर अवगत कराया है कि सोमवार रात करीब 8 बजे रोजाना की तरह दुकान बंद करके घर चले गए थे। मंगलवार सुबह करीब 7 बजे

दुकान खोलने पहुंचे तो शटर का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था और दुकान की अंदरूनी खिड़की खुली हुई थी। जांच करने पर नकदी समेत कई सामान गायब मिले। संचालक ने चोरी गए अवगत कराया है कि सोमवार रात करीब 8 बजे रोजाना की तरह दुकान बंद करके घर चले गए थे। मंगलवार सुबह करीब 7 बजे

विशाल बड़ाना तथा कोबरा पुलिस मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। दुकानदार ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल चोरी का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। नागरिकों ने चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा उचित कार्यवाही करने की मांग की है।

# कुंवरपुरा में तहसीलदार ने खाद वितरण व्यवस्था का निरीक्षण किया

( यंग भारत न्यूज )  
जालौन-उरई। कैथ बी पैक्स लिमिटेड, कुंवरपुरा में तहसीलदार ने खाद वितरण व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने समिति परिसर में मौजूद किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानी और खाद उपलब्धता से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार अभिनव तिवारी ने बताया कि रबी की फसल की बुआई के लिए शासन की प्राथमिकता है कि हर किसान को समय पर डीएपी और यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित हो। उन्होंने समिति के अधिकारियों को निर्देशित किया कि खाद वितरण कार्य पूर्ण पारदर्शिता और शासन के निर्देशों के अनुरूप किया जाए। किसी भी स्थिति में किसानों को खाद के लिए परेशान न होना पड़े। कहा कि शासन द्वारा क्षेत्रफल के आधार पर प्रत्येक किसान को खाद उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने खाद का स्टॉक, रिकार्ड और वितरण व्यवस्था की जांच की। एसडीएम ने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि समितियों में पर्याप्त मात्रा में डीएपी मौजूद है। किसी भी दशा में काला बाजारी या निर्धारित दर से अधिक कीमत पर बिक्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समिति कर्मचारियों को निर्देशित किया कि खाद वितरण के दौरान सोशल ऑडिट जैसे नियमों का पालन किया जाए, ताकि किसानों को पारदर्शी तरीके से खाद मिल सके। साथ ही किसानों से अपील की कि वे निर्धारित मात्रा से अधिक खाद लेने का प्रयास न करें, जिससे सभी लाभार्थियों तक इसका वितरण सुनिश्चित हो सके।

# कालपी विधानसभा में अमर सिंह चंदेल ने किया जनसंपर्क, 2027 में पीडीए सरकार बनाने का आह्वान

( यंग भारत न्यूज )

उरई ( जालौन )। कालपी विधानसभा क्षेत्र (220) में समाजवादी पार्टी ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में मंगलवार, 13 अक्टूबर को वरिष्ठ सपा नेता अमर सिंह चंदेल ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी की नीतियों, विकास के विजन और सामाजिक न्याय के संकल्प को लोगों के बीच रखा। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव में एकजुट होकर पीडीए की मजबूत सरकार बनाने का आह्वान किया। अमर सिंह चंदेल ने समाजवादी साधियों के साथ दौन, डागरू पुरवा, सैहदपुर उवारी, जमलापुर, मुहम्मदपुर, शहजादेपुर और रायड़ दिवारा सहित विभिन्न गांवों में जनसंपर्क किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने ग्रामीणों, युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं से मुलाकात कर उनकी बात सुनी। गांवों में छोटी-छोटी नुककड़ सभाओं के माध्यम से पार्टी की विचारधारा और जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। जनसंपर्क के दौरान सपा नेता ने पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के साथ सर्व समाज के लोगों से संवाद करते हुए सामाजिक न्याय, समानता और सभी वर्गों के सम्मान की बात कही। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करना और उनकी समस्याओं को प्राथमिकता देना जरूरी है। समाजवादी पार्टी की नीतियों और विकास के दृष्टिकोण को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। अमर सिंह चंदेल के अनुसार, गांवों के भ्रमण के दौरान उन्हें सर्व समाज के लोगों और मातृशक्ति का स्पेह, आशीर्वाद एवं समर्थन मिला। उन्होंने लोगों से अपील की कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में एकजुट होकर पीडीए की मजबूत सरकार बनाने के लिए सहयोग करें। इस जनसंपर्क अभियान के जरिए सपा नेता ने कालपी विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के संघटन को मजबूत करने और ग्रामीण मतदाताओं से सीधा संवाद स्थापित करने पर जोर दिया। भ्रमण में समाजवादी पार्टी के स्थानीय साथी भी शामिल रहे।

■ सात गांवों में भ्रमण कर सपा नेता ने लोगों से की मुलाकात, नुककड़ सभाओं के जरिए बताई पार्टी की नीतियां

■ पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और सर्व समाज को साथ लेकर चलने पर दिया जोर

■ जनसंपर्क के दौरान मातृशक्ति और ग्रामीणों से मिला समर्थन, विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे सपा नेता

# चार दशक में बुलाईयों को छूने वाली बीएसपी फिर सड़क पर...देखें हाथी की एनआरआई रिपोर्ट.

( यंग भारत न्यूज )  
अनुसार, पार्टी के उज्जवल भविष्य की भी उम्मीद समर्थकों की भी अब कम नजर आने लगी है. बहुजन समाज पार्टी की स्थापना चार दशक से कुछ समय पहले वर्ष 1984 में हुई थी, तब पार्टी का एक भी जन प्रतिनिधि नहीं था, लेकिन देश के दोनों सदनों से वापस सड़क पर आ गई हो. अपनी स्थापना के समय पार्टी जहां पर खड़ी थी, अब वहां पर आ खड़ी हुई है. जिस पार्टी का यूपी सहित देश के अन्य राज्यों में दबदबा रहा हो, वही पार्टी अब इस स्थिति में आ गई है कि किसी भी सदन में उसका एक भी प्रतिनिधि नहीं बचा है. पार्टी के एकमात्र राज्यसभा सांसद रामजी गौतम थे. उनका भी कार्यकाल समाप्ति के कगार पर है. अगले माह यहां भी पार्टी का नेतृत्व शून्य हो जाएगा. ऐसा पहली बार होगा, जब 1989 में संसद में दाखिल होने के बाद पार्टी लोकसभा और राज्यसभा दोनों से ही बाहर हो जाएगी. एक तरफ, जहां विभिन्न राजनीतिक दल कुर्सी पर काबिज होने के लिए जोड़-तोड़ गठजोड़ की राजनीति में लगे हुए हैं, गठबंधन करके सत्ता के शीर्ष पर पहुंचने की जुगत में हैं. वहीं बीएसपी के अपने बलबूते चुनाव लड़ने की जिद के चलते पार्टी दिन-ब-दिन गत में जा रही है. वर्तमान हालात के

उरई ( जालौन )। उरई में सड़क हादसे में घायल बैंक मैनेजर आयुष गुप्ता (30) की मौत हो गई। मंगलवार शाम करीब 6 बजे झांसी में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रक को कब्जे में लेकर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। आयुष गुप्ता कुर्दौद क्षेत्र के मदारीपुर स्थित यूपी ग्रामीण बैंक में शाखा प्रबंधक के पद पर तैनात थे। सोमवार शाम वह संकट मोचन मंदिर में दर्शन करने गए थे। दर्शन के बाद दर शाम बाइक से घर लौट रहे थे। उरई शहर कोतवाली क्षेत्र में गोविंदम तिराहे के पास झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-27 पार करते समय झांसी की ओर से आ रहे ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से आयुष गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आयुष को राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए झांसी रेफर कर दिया। वहां उनका इलाज चल रहा था, लेकिन मंगलवार शाम करीब 6 बजे उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया था। कोतवाली प्रभारी आनंद सिंह ने बताया कि दुर्घटना में शामिल ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। फरार चालक की तलाश की जा रही है। उसके खिलाफ जल्द कार्रवाई की जाएगी।

# आद्या शक्ति माँ की नवरात्रि एवं संस्थान के संस्थापक कीर्तिशेष डॉ0 सुरेश चन्द्र शास्त्री स्व0 डॉ. शकुन्तला शास्त्री जी की पुण्य स्मृति को समर्पित मासिक गोष्ठी सम्पन्न

( यंग भारत न्यूज )

झांसी। शास्त्री विश्वभारती संस्कृति एवं साहित्य शोध संस्थान शास्त्री भवन सीपरी बाजार झांसी के तत्वाधान में शारदीय नवरात्रि एवं कीर्तिशेष विश्व गौरव आचार्य डॉ. सुरेश चन्द्र शास्त्री के 19 वे पूर्ण स्मृति दिवस, कीर्तिशेष डॉ0शकुन्तला शास्त्री (संस्थान की पूर्व निदेशिका) पुण्य स्मृद्धि को समर्पित मासिक साहित्यिक सरस काव्य हुई। गोष्ठी की अध्यक्षता डॉ. प्रमोद कुमार अग्रवाल संगोष्ठी सम्पन्न हुई (से0नो आई0ए0 एस0) अष्टम पुण्य स्मृति मुख्य अतिथि डॉ0 प्रताप नारायण दुबे एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. अरुण कुमार हिंगवासिया, डॉ0 बुजलता मिश्रा, डॉ. निहाल चन्द शिवहरे डॉ0 सुखराम चतुर्वेदी ‘फौजी’ डॉ0 हर शरण शुक्ल श्री कैलाश नारायण मालवीय, नील मधु जी अरविन्द त्रिपाठी (मऊरानीपुर) रहे। गोष्ठी का शुभारम्भ डॉ0 सुमन मिश्रा द्वारा प्रस्तुत सरस्वती बन्दना से हुआ। तत्पश्चात है। नीति शास्त्री द्वारा सभी का स्वागत किया गया। क्रमशः कवियों द्वारा गीत, गजल, नवरस की रचनाओं का पाठ- श्री रामबिहारी सोनी तुक्कड़ (बालकवि) गीता प्रसाद वर्मा (मधुशरा), शरद मिश्र, संजय तिवारी, उस्मान अश्क, राम लाखन सिंह परिहार, श्री रवि कुशवाहा (ललितपुर), सुभाष श्रीवास्तव, ममता श्रीवास डॉ0 साकेत सुमन चतुर्वेदी, बाला प्रसाद यादव, कामता प्रसाद प्रजापति, ए0 बी0 मजूमदार, देवेंद्र शर्मा, नेहा चाचरा बहल, बलराम सोनी, सहित सभा अध्यक्ष, मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने प्रेरक सरस काव्य रचनाएं प्रस्तुत की। इस अवसर नरसिंह प्रहरी, वैष्णवी कुशवाहा, डॉ0 एस0 बी0 सिंह जब्बल, सुभाष (बस्ती), अशोक मिश्रा, डॉ मनमोहन मनु, डॉ0 सुदर्शन शिवहरे, मानसिंह प्रहरी, बलवारी सिंह आदि सुधि श्रोतागण उपस्थित रहें। डॉ0 सुखराम चतुर्वेदी एवं डॉ0 नीति शास्त्री द्वारा संयुक्त रूप से संचालन किया गया। अन्त में डॉ0 नीति शास्त्री (संयोजिका द्वारा सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया गया।

1996 में चुनाव आयोग ने राष्ट्रीय दल का दर्जा देकर ‘हाथी’ चुनाव चिह्न आर्बाइंट किया था. बसपा संस्थापक कांशीराम के बाद इस दल की बागडोर मायावती को मिली. मायावती ने उत्तर प्रदेश में अलग-अलग समय पर चार बार बीएसपी की सरकारें भी बनाईं. हालांकि शिखर पर पहुंचने वाली बसपा अब पूरी तरह से धरातल पर आ गई है. अब स्थिति यह है कि अगर निर्वाचन आयोग जब समीक्षा करेगा, तो पार्टी के राष्ट्रीय स्तर की मान्यता पर भी खतरा हो सकता है. 1989 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी ने 13 सीटें जीती थीं. पार्टी का वोट शेयर 9.4 फीसद रहा था. दो साल बाद हुए 1991 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की एक सीट कम हो गई. 12 विधानसभा सीटें जीतकर बसपा अपना वोट प्रतिशत कायम रखने में कामयाब हुई. इस बार भी पार्टी को 9.4% वोट प्राप्त हुए. दो साल बाद 1993 का विधानसभा चुनाव हुआ तो पार्टी ने लंबी छलांग मारी और 67 सीटें जीतने में कामयाब हो गई. वोट प्रतिशत बढ़कर 11.5% हो गया. 1996 के विधानसभा चुनाव में फिर पार्टी ने 67 विधानसभा सीटें जीतीं, लेकिन वोट प्रतिशत में जबरदस्त उछाल हुआ. 19.6 फीसद पार्टी का वोट प्रतिशत पहुंच गया.

# सड़क हादसे में घर इकलौते पुत्र बैंक मैनेजर की मौत, मां बाप दहाड़ें मारकर हुए बेहोश

( यंग भारत न्यूज )  
उरई ( जालौन )। उरई में सड़क हादसे में घायल बैंक मैनेजर आयुष गुप्ता (30) की मौत हो गई। मंगलवार शाम करीब 6 बजे झांसी में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रक को कब्जे में लेकर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। आयुष गुप्ता कुर्दौद क्षेत्र के मदारीपुर स्थित यूपी ग्रामीण बैंक में शाखा प्रबंधक के पद पर तैनात थे। सोमवार शाम वह संकट मोचन मंदिर में दर्शन करने गए थे। दर्शन के बाद दर शाम बाइक से घर लौट रहे थे। उरई शहर कोतवाली क्षेत्र में गोविंदम तिराहे के पास झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-27 पार करते समय झांसी की ओर से आ रहे ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से आयुष गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आयुष को राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए झांसी रेफर कर दिया। वहां उनका इलाज चल रहा था, लेकिन मंगलवार शाम करीब 6 बजे उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया था। कोतवाली प्रभारी आनंद सिंह ने बताया कि दुर्घटना में शामिल ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। फरार चालक की तलाश की जा रही है। उसके खिलाफ जल्द कार्रवाई की जाएगी।

आकाश आर्य बने अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष

प्रदेश नेतृत्व की अनुमति से साँपी गई जिम्मेदारी

# ( यंग भारत न्यूज )

झांसी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की अनुमति से आकाश आर्य को भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का झांसी जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनके मनोनयन से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह है। माना जा रहा है कि इस जिम्मेदारी के माध्यम से संगठन को जिले में और मजबूत करने तथा अनुसूचित जाति समाज के बीच पार्टी की गतिविधियों को गति देने पर जोर रहेगा।

श्रीराम लीला महोत्सव में सीता विदाई से राम वनवास तक की लीला का हुआ भव्य मंचन

( यंग भारत न्यूज )  
जालौन-उरई। रामलीला भवन में चल रहे 174वें श्रीराम लीला महोत्सव में सीता विदाई से राम वनवास तक की लीला का मंचन किया गया। सीता विदाई के मंचन में माला सीता का अपने माता-पिता, सगे-संबंधियों से बिछड़ने की लीला का मनोहारी मंचन देख दर्शक आकूल हो गए। राम परिवार का फूलों की वर्षा कर स्वागत किया गया। माता सीता के अयोध्या पहुंचने पर बधाई गीत गाए गए। मंच पर राजा दशरथ भगवान श्रीराम को युधराज घोषित करते हैं तो मंथरा के भड़काने पर कैकई कोप भवन में चली जाती हैं। राजा दशरथ के मनाने पर वह भरत को राजगद्दी व श्रीराम को 14 वर्ष का वनवास का वरदान मांगती है।

मालिक,मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकारपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ०पू०.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718